मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 21
रविवार, 26 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, केस वापसी और मुआवजा, सरकार ने मानी सभी मांगें

सीजेपी ने खत्म किया आंदोलन

नई दिल्ली, 25 जुलाई। नीट पेपर लीक मामले को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर में पिछले 36 दिनों से चल अपने आंदोलन को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने खत्म करने का ऐलान किया है। साथ ही आंदोलन से जुड़े छात्रों से अपने घर लौटने की अपील की। शनिवार को केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में वार्ता के बाद सीजेपी प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार ने उनकी सभी मांगों को मान लिया है। जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, केस वापस लेने और नीट पीड़ितों को एक करोड़ मुआवजा देने की मांग शामिल थी।

केंद्र सरकार की ओर से सभी मांगों को मान लिए जाने के बाद सीजेपी प्रतिनिधि सौरभ दास व आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में पत्रकारों से चर्चा में यह जानकारी दी। इस दौरान सीजेपी प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों की जिक्र किया और बताया कि सरकार ने सभी मांगे मान ली। इसके साथ ही उन्होंने तत्काल प्रभाव से आंदोलन खत्म करने का एलान किया। इससे पहले सीजेपी प्रतिनिधियों और सरकार के बीच मांगों को लेकर 20 व 24 जुलाई को भी वार्ता हुई थी। जिसमें 20 जुलाई को जेपी नड्डा के घर पर सीजेपी प्रतिनिधियों के साथ हुई पहली मुलाकात में उन्होंने इन मांगों को रखा था। इसके बाद 24 जुलाई को सरकार और सीजेपी के बीच दूसरी बैठक कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुई। जिसमें सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छोड़कर उनकी दोनों मांगों पर सैद्धांतिक रूप से अपनी सहमति दी थी। सीजेपी ने सरकार को पांच बिंदुओं वाला एक चार्टर भी सौंपा है। जिसके अमल को लेकर चार हफ्ते के बाद फिर से चर्चा करने को लेकर दोनों के बीच सहमति जताई गई है। सीजेपी के चार्टर के मुताबिक एनटीए को भंग करने और एक स्वायत्त नेशनल टेस्टिंग कमीशन बनाया जाए। जहां स्थाई स्टाफ हो। कैग से हर साल उसके वित्तीय व प्रदर्शन की ऑडिट करायी जाए।

एसएससी को भी कमीशन का कानूनी दर्जा दिया जाए। अधिसूचना के एक साल के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाए। पेपर लीक या परीक्षा रद होने आदि पर प्रत्येक छात्र को दस हजार का मुआवजा दिया जाए। वहीं यदि कोई परीक्षा किसी आपात स्थिति में रद की जाए, तो उसे 72 घंटे में फिर कराया जाए। ओएमआर शीट व उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करके मूल्यांकन कराने की जगह फिजिकल मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाए। वहीं राज्यों को इसकी छूट दी जाए कि वह अपने कोटे की मेडिकल सीट के लिए नीट परीक्षा से बाहर हो सके।

पीएम मोदी का बड़ा फैसला : धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर, प्रह्लाद जोशी बने शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 25 जुलाई। प्रधानमंत्री की सलाह पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके मौजूदा विभागों के साथ-साथ शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी सौंपा जाए। आदेश में कहा गया है, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। साथ ही, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके मौजूदा विभागों के अलावा शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी सौंपा जाए। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा संगठन की सभी मांगें मान लिए जाने के बाद नीट विवाद को लेकर 36 दिन से जारी अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। कॉजपा ने कहा कि दोनों पक्ष परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों पर काम करने के लिए चार हफ्ते बाद फिर मिलेंगे। कॉजपा प्रवक्ता सौरव घोष ने देशभर में सभी जगहों पर अपना विरोध-प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रधान के इस्तीफे के अलावा सरकार नीट विवाद को लेकर कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को सम्मानजनक मुआवजा देने और दिल्ली सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित सभी राज्यों में दर्ज प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने पर भी सहमत हो गई है।

दास ने सरकार के वाताकारों केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, कॉजपा इस आश्वासन और समझ के साथ आंदोलन वापस लेने की घोषणा करती है कि तय शर्तों को निर्धारित समयसीमा के भीतर लागू किया जाएगा। कॉजपा ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नीट विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजन को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और 20 मार्च को संगठन के संसद चलो मार्च में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी को वापस लिए जाने की मांग की थी।

यूक्रेन और रूस ने एक-दूसरे पर किए हमले, 14 लोगों की मौत

रूस, 25 जुलाई। रूस के आंशिक कब्जे वाले जापोरिज्जिया क्षेत्र में स्थित पर्यटन स्थलों पर यूक्रेनी सुरक्षाबलों के हमले में 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं, यूक्रेन के पूर्वोत्तर सूमी क्षेत्र में रूस के ड्रोन हमले में तीन लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। क्रेमलिन समर्थित जापोरिज्जिया क्षेत्र के प्रमुख येवगेनी बालित्स्की ने बताया कि पर्यटन स्थलों पर हुए हमले में मारे गए 11 लोगों में चार बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस हमले में 16 अन्य लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन की ओर से इस हमले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। सूमी क्षेत्र के प्रमुख ओलेह ह्रीहोरोव ने बताया कि रूस के एक ड्रोन द्वारा एक "नागरिक प्रतिष्ठान" पर हमला किए जाने के बाद भीषण आग लग गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतक यूक्रेन की निजी डाक एवं कूरियर सेवा 'नोवा पोश्टा' के चालक थे।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने सूमी क्षेत्र में यूक्रेन के ड्रोन के "भंडारण और प्रक्षेपण स्थल" पर हमला किया। दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हुए रूसी ड्रोन हमले में एक व्यापारिक केंद्र को भी निशाना बनाया गया। क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेदोरोव ने बताया कि हमले के बाद लगी आग लगभग 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैल गई और इसमें कई लोग घायल हो गए।कीव के निकट रक्षा उद्योग से जुड़े एक कार्यक्रम स्थल पर शुक्रवार को रूस के बड़े हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 100 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार शाम अपने संबोधन में कहा कि खुफिया आकलनों से संकेत मिले हैं कि रूस बड़े मिसाइल हमले की तैयारी कर रहा है और यह हमला अगले 48 घंटे के भीतर हो सकता है। इस बीच, रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसकी सेना ने यूक्रेन सीमा के निकट एक निर्जन क्षेत्र में उसके हवाई क्षेत्र में घुसे एक ड्रोन को सुरक्षित तरीके से मार गिराया।

'युवा पीढ़ी और विपक्ष की जीत हुई, अब पीएम मोदी भी माफी मांगें: कांग्रेस

नई दिल्ली, 25 जुलाई। कांग्रेस ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों, युवाओं तथा विपक्ष की जीत करार देते हुए कहा कि अब सरकार को हटाने का वक्त आ गया है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश के सभी छात्रों से माफी मांगने और छात्रों के खिलाफ कथित हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने सरकार को आगाह किया कि यदि उसकी कार्यप्रणाली उसी तरह बनी रही तो आगे और बड़े पैमाने पर आक्रोश का सामना करना होगा।

प्रधान के इस्तीफे के बाद संवाददाताओं से बातचीत में गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन को "पूरे दिल से" समर्थन दिया और पार्टी भारत के छात्रों की रक्षा तथा देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, "ये हमारे छात्रों की जीत है, जो हिंदुस्तान के भविष्य हैं।" कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था, जिसकी कभी दुनिया भर में प्रशंसा होती थी, पिछले कुछ वर्षों में "कब्जे" में ले ली गई है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने "दीमक बनकर" इसे खोखला कर दिया है।

गांधी ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान "भ्रष्टाचार, अयोग्यता और शिक्षा व्यवस्था की तबाही" के प्रतीक बन गए थे और उनका हटना अच्छा हुआ। उन्होंने कहा कि छात्रों की दो मांगों को नहीं भुलाया जाना चाहिए और वो मांगें छात्रों के खिलाफ कथित हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई और प्रधानमंत्री द्वारा देश के सभी छात्रों से माफी की हैं। गांधी ने कहा, "मेरी तरफ से छात्रों को जो भी समर्थन चाहिए, उसके लिए मैं तैयार हूं।" उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि छात्रों पर गोली चलाने तथा घातक हथियारों और पैलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा, "हम अपने सुरक्षाबलों को भारत के भविष्य पर गोली चलाते हुए स्वीकार नहीं करते। यह संसद में एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है।"गांधी ने कहा कि भारत रोजगार सृजन, शिक्षा व्यवस्था, संस्थानों और मीडिया के "नष्ट" होने के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की आवाज सुननी चाहिए और आगाह किया कि यदि सरकार इसी दिशा में आगे बढ़ती रही तो "आज जो हुआ है, आगे उससे 10 गुना बड़े पैमाने पर सामने आएगा।" गांधी ने कहा, "यह देश आपका (सरकार) नहीं है। यह भारत के लोगों का है। यह भारत के संविधान का है। ये संस्थान भी आपके नहीं हैं।" इससे पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि किसानों, मजदूरों, गरीबों और सरकार द्वारा "दबाए तथा कुचले गए" लोगों का अपने सम्मान के लिए संवैधानिक तरीके से डटकर खड़ा होना ही "असली साहस" है। उन्होंने कहा, "इस सरकार को हटाने का वक्त आ गया है। डरो मत।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधान के इस्तीफे के बाद कहा कि यह देश के करोड़ों युवाओं, सत्य और साझा विपक्ष की जीत तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "हठ" की हार है। खरगे ने 'एक्स' पर कहा, "भारत के 'छात्रों की गूंज' आखिरकार अहंकारी सत्ता की दहलीज तक पहुंच गई।" उन्होंने कहा कि यह उन करोड़ों युवाओं की जीत है जिन्होंने देशभर में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए आवाज उठाई।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर : पीएम मोदी ने सीएम हिमंत विश्व शर्मा से की बात

नई दिल्ली, 25 जुलाई। असम में जारी विनाशकारी बाढ़ संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से टेलीफोन पर बातचीत कर बाढ़ की मौजूदा स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार की ओर से राज्य को हरसंभव सहायता प्रदान करने का अटूट आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म " पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के साथ हुई इस उच्चस्तरीय बातचीत की जानकारी साझा की।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने तबाही की सीमा, जारी राहत एवं बचाव कार्यों तथा जमीनी स्तर पर हमारे सामने मौजूद चुनौतियों के बारे में जानकारी मांगी। शर्मा ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों और हर प्रभावित परिवार तक सहायता पहुंचाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने जनहानि और संपत्ति के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया तथा असम के लोगों को आश्वस्त किया कि इस आपदा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भारत सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में प्रधानमंत्री मोदी के आश्वासन और अटूट सहयोग के लिए असम की जनता उनकी आभारी है।

ईशान-तिलक की तूफानी फिफ्टी के बाद गेंदबाजों का गदर, श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने जीती पहली सीरीज

नई दिल्ली, 25 जुलाई। ईशान किशन और तिलक वर्मा की फिफ्टी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने हरारे में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में शनिवार को जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर 3 मैचों की सीरीज अपने नाम की। सीरीज का आखिरी मुकाबला रविवार को खेला जाएगा।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में जिम्बाबे टीम 17.5 ओवर में 129 रन पर सिमट गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली सीरीज जीत है। इससे पहले टीम इंडिया को आयरलैंड और इंग्लैंड के हाथों शर्मनाक हार मिली थी।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत एक बार फिर खराब रही। पहले 3 ओवर में ही भारत को 2 झटके लग चुके थे। अभिषेक शर्मा का फिर बल्ला नहीं चला और उन्होंने 8 गेंदों पर 8 रन बनाए। तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी कैच आउट हुए। उन्होंने 9 गेंदों पर 20 रन जड़े। 2 विकेट गिरने के बाद आए कप्तान श्रेयस अय्यर ने ईशान किशन के साथ पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों पर 66 रन की साझेदारी हुई। मैदान पर नजरें जमा चुके अय्यर 25 के स्कोर पर कैच आउट हुए। इसके बाद आए तिलक वर्मा ने ईशान का भरपूर साथ दिया और दोनों ने 43 गेंदों पर 94 रन जोड़े।

12वीं टी20 इंटरनेशनल फिफ्टी लगाने के बाद ईशान शतक की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि, 81 रन पर उनकी पारी पर ब्रेक लगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ने 44 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्के की मदद से यह पारी खेली।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

लायंस इंटरनेशनल ने 1000 से अधिक जरूरतमंदों को कराया भरपेट भोजन

पटना। लायंस इंटरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट 322 ई के तत्वावधान में गोला रोड स्थित लोटस प्लाजा में मेगा हंगर रिलीविंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा अभियान के तहत 1000 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भरपेट भोजन कराया गया। सेवा, समर्पण और मानवता को समर्पित इस आयोजन में डिस्ट्रिक्ट 322 ई के 35 से अधिक लायंस क्लबों के 180 से ज्यादा सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की संयोजिका लायन बबिता सिन्हा ने कहा कि लायंस इंटरनेशनल ने भूख मिटाने को अपने वैश्विक सेवा उद्देश्यों में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक सम्मान और संवेदना के साथ सहायता पहुंचाना है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी क्लबों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन संजय अवस्थी ने कहा कि आज भी समाज में अनेक लोग ऐसे हैं जिन्हें भरपेट भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे लोगों की सहायता के लिए इस मेगा हंगर रिलीविंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना ही लायंस इंटरनेशनल की पहचान है। इस सेवा परियोजना को सफल बनाने में लायन रचना खेतान, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन प्रदीप खेतान, लायन बबिता सिन्हा, लायन अंशु अवस्थी एवं लायन नंदा गर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन आर आर सहाय, लायन ई. अशोक कुमार, लायन मधुसूदन कुमार, लायन आर.पी. सिंह, लायन डॉ. विनोद सिंह, लायन मनोहर सिंह, लायन रंजय रॉय, लायन विंध्याचल प्रियदर्शी, लायन मधु श्रीवास्तव, लायन कुमुद सिंह, लायन अरुण सिंह तथा लायन राकेश प्रसाद सहित बड़ी संख्या में लायन सदस्य उपस्थित रहे।

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)

प्रेस विज्ञप्ति

30वां दीक्षान्त समारोह, 27 जुलाई, 2026

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर का 30वाँ दीक्षान्त समारोह दिनांक 27 जुलाई, 2026 को विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पूर्वाह्न 10:00 बजे से आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है। श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश समारोह की अध्यक्षता करेंगी। मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम (विशिष्ट सेवा मेडल), ए.डी.जी., एन.सी.सी. (उत्तर प्रदेश). अति विशिष्ट अतिथि श्री योगेन्द्र उपाध्याय, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी, माननीय राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार होंगे।

विश्वविद्यालय के समस्त सम्मानित आचार्य, उपाचार्य, प्राध्यापक, परिषदों के सम्मानित सदस्य, पदाधिकारियों एव सम्बन्धित जन दिनांक 27 जुलाई, 2026 को पूर्वाह्न 10.00 बजे विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर सादर आमंत्रित हैं। निमंत्रण पत्र अलग से प्रेषित किये गये हैं। पीएच.डी. उपाधिधारकों तथा सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ता छात्र/छात्राओं को पत्र के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। सर्वसम्बन्धित को निमंत्रण पत्र / सूचना पत्र साथ में लाना अनिवार्य है।

कुलसचिव

पत्रांक 12415/सामा०प्रशा०/2026 दिनांक २५ जुलाई, 2026

व्यक्ति-क्रांति से धर्म-क्रांति के पुरोधाः युगद्रष्टा आचार्य भिक्षु

-ललित गर्ग

भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में कुछ महापुरुष ऐसे हुए हैं जिन्होंने केवल धर्म का उपदेश नहीं दिया, बल्कि धर्म की आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। वे परम्परा के अनुयायी भर नहीं बने, बल्कि समय की आवश्यकताओं के अनुरूप धर्म को नया जीवन, नई दृष्टि और नई दिशा दी। ऐसे ही युगद्रष्टा थे आचार्य श्री भिक्षु। उन्होंने धर्म को कर्मकाण्ड, आडम्बर और रूढ़ियों के बंधनों से मुक्त कर सत्य, अहिंसा, संयम, आत्मानुशासन और चरित्र-निर्माण की सुदृढ़ भूमि पर स्थापित किया। इसीलिए वे केवल तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक नहीं, बल्कि भारतीय धार्मिक चेतना में धर्म-क्रांति के महान पुरोधा माने जाते हैं। आचार्य भिक्षु के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष का समापन 27 जुलाई 2026 को हो रहा है। पूरे वर्ष देश-विदेश में विविध आध्यात्मिक, वैचारिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन और दर्शन का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ। इस राष्ट्रीय अभियान का नेतृत्व तेरापंथ धर्मसंघ की 113 वर्ष पुरानी सर्वोच्च संस्था जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा ने किया। आचार्य कालूगणी की प्रेरणा से स्थापित और आचार्य तुलसी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित इस संस्था ने त्रिशताब्दी वर्ष को केवल उत्सव तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे मूल्य-जागरण का राष्ट्रीय अभियान बना दिया। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री महेन्द्र नाहटा ने आचार्य भिक्षु को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु केवल एक महान संत नहीं, बल्कि दिव्य चेतना और युगद्दष्टा व्यक्तित्व के धनी थे। लगभग 300 वर्ष पूर्व उन्होंने जिस धर्मसंघ की स्थापना सत्य, अहिंसा, मयार्दा, अनुशासन और चरित्र के आधार पर की थी, वह आज भी निरंतर गतिशील होकर देश और दुनिया को नैतिकता, मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक जीवन की नई दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु का दर्शन किसी एक संप्रदाय की सीमाओं में बंधा नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। व्यक्ति-निर्माण से समाज-निर्माण और समाज-निर्माण से विश्व-कल्याण का उनका चिंतन आज के अशांत और मूल्य-संकट से जूझते विश्व के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। आचार्य भिक्षु का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य पर अडिग रहकर, मयार्दा का पालन करते हुए और आत्मानुशासन को जीवन का आधार बनाकर ही स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

आचार्य भिक्षु ऐसे समय में प्रकट हुए जब धर्म का स्वरूप अपने मूल उद्देश्य से भटक चुका था। बाह्याचार को धर्म मान लिया गया था, कर्मकाण्ड को साधना समझा जाने लगा था और सम्प्रदायगत प्रतिर्स्पधा ने आध्यात्मिकता की गरिमा को धूमिल कर दिया था। ऐसे वातावरण में उन्होंने निर्भीक होकर घोषणा की कि धर्म का संबंध बाहरी प्रदर्शन से नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतःकरण की पवित्रता से है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जहां सत्य नहीं-वहां धर्म नहीं, जहां अहिंसा नहीं-वहां साधना नहीं और जहां चरित्र नहीं-वहां आध्यात्मिकता केवल आडम्बर है। आचार्य भिक्षु का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने साधुता की नई परिभाषा प्रस्तुत की। उनके अनुसार साधु होना केवल वेश बदल लेना नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, लोभ, मोह और स्वार्थ का त्याग करना है। उन्होंने साधु जीवन को समाज के लिए आदर्श, अनुशासन और आत्मसंयम का जीवंत उदाहरण बनाया। उन्होंने कहा कि साधु का मूल्य उसके ज्ञान से पहले उसके चरित्र में है, उसके उपदेश से पहले उसके आचरण में है। इसीलिए उन्होंने साधु जीवन को कठोर मयार्दाओं से जोड़ा और स्वयं उनका अक्षरशः पालन किया। आचार्य भिक्षु ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि मयार्दाओं का सुव्यवस्थित विधान निर्मित किया। ये मर्यादाएं किसी प्रकार का बंधन नहीं थीं, बल्कि साधना की सुरक्षा-रेखाएं थीं। उनका विश्वास था कि मयार्दा के बिना न व्यक्ति टिक सकता है, न संगठन और न ही धर्म। अनुशासन को उन्होंने धर्मसंघ की आत्मा माना। यही कारण है कि तेरापंथ धर्मसंघ की विशिष्ट पहचान उसकी मयार्दा, अनुशासन और एकसूत्रता रही है। आचार्य भिक्षु ने संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में केवल तेरह श्रावकों के साथ नए धर्मसंघ की स्थापना की। उन्होंने कभी संख्या को सफलता का आधार नहीं माना। उनके लिए गुणवत्ता, चरित्र और सत्य ही वास्तविक शक्ति थे। उन्होंने अपने धर्मसंघ को प्रभु के चरणों में समर्पित करते हुए कहा- यह तेरा पंथ है। यही भाव आगे चलकर तेरापंथ नाम का आधार बना। इसमें किसी व्यक्ति का अहंकार नहीं, बल्कि पूर्ण समर्पण का भाव निहित है।

आचार्य भिक्षु की एक और विलक्षण देन है- एक आचार्य, एक विचार और एक संगठन की व्यवस्था। यानी तेरापंथ धर्मसंघ का आधार बना एक नेतृत्व, एक विधान एवं एक प्ररूपणा। उन्होंने अनुभव किया कि जहां अनेक सत्ता-केंद्र होंगे, वहां मतभेद, संघर्ष और विघटन भी होंगे। इसलिए उन्होंने धर्मसंघ को एक अनुशासित नेतृत्व प्रदान किया। यह व्यवस्था किसी व्यक्ति-विशेष की प्रतिष्ठा के लिए नहीं थी, बल्कि संगठन की एकता, पारदर्शिता और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए थी। आज जब अनेक धार्मिक और सामाजिक संस्थाएं नेतृत्व संघर्ष, गुटबाजी और वैचारिक विखंडन से जूझ रही हैं, तब आचार्य भिक्षु की यह संगठनात्मक दृष्टि अत्यंत प्रासंगिक सिद्ध होती है। उनकी दृष्टि में धर्म केवल व्यक्तिगत मोक्ष का मार्ग नहीं था, बल्कि समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का माध्यम भी था। उनका विश्वास था कि समाज को बदलने के लिए पहले व्यक्ति को बदलना होगा। व्यक्ति का चरित्र बदलेगा तो परिवार बदलेगा, परिवार बदलेगा तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र भी बदल जाएगा। इसलिए उन्होंने व्यक्ति-क्रांति को धर्म-क्रांति का आधार बनाया। उनका सम्पूर्ण चिंतन आत्मपरिष्कार से लोकपरिष्कार की यात्रा है। आचार्य भिक्षु ने सत्य और अहिंसा को केवल दार्शनिक आदर्श नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें व्यवहार का विषय बनाया। सत्य उनके लिए निर्भीकता का पर्याय था और अहिंसा करुणा, सहिष्णुता तथा आत्मसंयम का जीवन-मूल्य। यही कारण है कि उनके विचार आगे चलकर आचार्य तुलसी के अणुव्रत आंदोलन, आचार्य महाप्रज्ञ की प्रेक्षाध्यान एवं अहिंसा यात्रा और वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमण के नैतिक जागरण अभियानों में निरंतर विकसित होते रहे। महात्मा गांधी द्वारा सत्य और अहिंसा को राष्ट्रीय जीवन का आधार बनाने में भी भारतीय संत परम्परा की इसी चेतना की स्पष्ट अनुगूँज सुनाई देती है। आज के वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमण अपने पदयात्रा-आधारित जनजागरण अभियानों, व्यसनमुक्ति, नैतिकता, सद्भावना, पर्यावरण संरक्षण और चरित्र निर्माण के संदेशों के माध्यम से वस्तुतः आचार्य भिक्षु के दर्शन को ही जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। उनका प्रत्येक कदम इस सत्य का प्रमाण है कि धर्म मंदिरों की सीमाओं में नहीं, बल्कि मनुष्य के व्यवहार में जीवित रहता है।

आज का संसार अभूतपूर्व संकटों से गुजर रहा है। धर्म के नाम पर संघर्ष हैं, विचारधाराओं के नाम पर विभाजन है, संगठन व्यक्तिवाद से ग्रस्त हैं और मनुष्य भौतिक प्रगति के बावजूद मानसिक अशांति से घिरा हुआ है। ऐसे समय में आचार्य भिक्षु का दर्शन केवल तेरापंथ के लिए नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक बनकर सामने आता है। उनका संदेश है कि धर्म का आधार सत्य हो, नेतृत्व का आधार उत्तरदायित्व हो, संगठन का आधार अनुशासन हो और जीवन का आधार चरित्र हो। यदि व्यक्ति स्वयं बदलने का साहस कर ले, तो समाज परिवर्तन अपने आप प्रारंभ हो जाता है। आचार्य भिक्षु ने अपने समय से बहुत आगे की सोच रखी। उन्होंने धर्म को जड़ता से मुक्त कर विवेक से जोड़ा, साधुता को बाहरी पहचान से ऊपर उठाकर चरित्र से जोड़ा, संगठन को व्यक्तिवाद से मुक्त कर अनुशासन से जोड़ा और आध्यात्मिकता को लोकमंगल से जोड़ा। यही उनकी मौलिकता है, यही उनकी अमरता है। 27 जुलाई 2026 को जब आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष का समापन होगा, तब यह केवल एक वर्षव्यापी आयोजन का अंत नहीं होगा। यह उस युगद्रष्टा महापुरुष के प्रति कृतज्ञता का अवसर होगा, जिसने धर्म को नई दृष्टि दी, साधुता को नया स्वरूप दिया, मयार्दाओं को जीवन का आधार बनाया और व्यक्ति-क्रांति से धर्म-क्रांति का ऐसा दीप प्रज्वलित किया, जिसकी ज्योति तीन शताब्दियों बाद भी उतनी ही उज्ज्वल, प्रेरक और प्रासंगिक है। यही आचार्य भिक्षु की सबसे बड़ी विजय है और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि।

जंतर-मंतर पर नागरिक विरोध और विनियामक चुनौतियाँः अधिकार, मर्यादा और कानून के बीच संतुलन आवश्यक

अशोक भाटिया

भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने में शांतिपूर्ण असहमति, विरोध-प्रदर्शन और अपनी आवाज बुलंद करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) और 19(1)(b) के तहत हर नागरिक को प्राप्त है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का ऐतिहासिक जंतर-मंतर दशकों से ऐसे ही अनगिनत नागरिक आंदोलनों, सामाजिक मांगों और असंतोष की अभिव्यक्ति का एक प्रमुख केंद्र रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से अपनी समस्याओं को सरकार और व्यवस्था के समक्ष रखने आने वाले नागरिकों के लिए यह स्थान एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। लोकतंत्र की जीवंतता और उसकी परिपक्वता इसी बात में निहित है कि यहाँ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का पूरा और समान अवसर मिले।

परंतु, हाल के वर्षों में इस संवेदनशील और ऐतिहासिक स्थल के उपयोग को लेकर कई तरह की प्रशासनिक, विनियामक और व्यावहारिक चुनौतियाँ सामने आई हैं। जब जन-आंदोलनों की आड़ में कतिपय तत्वों द्वारा नियमों की अनदेखी, वित्तीय अपारदर्शिता, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने के प्रयास किए जाते हैं, तो यह न केवल लोकतांत्रिक मयार्दाओं को धूमिल करता है, बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों के लिए भी संकट पैदा करता है। ऐसे समय में राज्य और न्यायपालिका के समक्ष यह बड़ी चुनौती होती है कि वह विरोध के मौलिक अधिकार की रक्षा भी करे और जनहित व विधिक व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर निष्पक्षता से अंकुश भी लगाए।

यह समझना आवश्यक है कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में कोई भी अधिकार असीमित या निरपेक्ष नहीं है। संविधान निमार्ताओं ने देश की संप्रभुता, अखंडता, सार्वजनिक व्यवस्था और आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए मौलिक अधिकारों पर 'तार्किक प्रतिबंध' का स्पष्ट प्रावधान किया है। जंतर-मंतर जैसे सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में अक्सर अनेक विसंगतियां और चुनौतियां देखने को मिलती हैं, जो इस विमर्श को जन्म देती हैं जैसे वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही की कमीः कई बार सार्वजनिक अभियानों, नागरिक प्रदर्शनों या सामाजिक सुधारों के नाम पर बड़े पैमाने पर आम जनता या विभिन्न स्त्रोतों से धन एकत्र किया जाता है। यदि इस धन के स्त्रोतों और उसके वास्तविक उपयोग में पारदर्शिता न हो, तो यह संस्थागत धांधली का रूप ले लेती है। जब आंदोलन का वित्तीय आधार ही संदेहास्पद या अपारदर्शी हो जाता है, तो आंदोलन का मूल सामाजिक उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है।सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा की चुनौतीः नई दिल्ली का यह क्षेत्र देश का मुख्य प्रशासनिक और रणनीतिक केंद्र है, जो संसद भवन और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों के अत्यंत निकट है। यहाँ निर्धारित संख्या से अधिक भीड़ का अचानक जुटना, यातायात को पूरी तरह ठप कर देना या सुरक्षा घेरे को तोड़ने का प्रयास करना कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर स्थिति उत्पन्न करता है। आम नागरिकों के अधिकारों का हननः एक वर्ग के विरोध प्रदर्शन के अधिकार के कारण स्थानीय निवासियों, राहगीरों, व्यापारियों और दफ्तर जाने वाले हजारों आम लोगों के मौलिक अधिकारों—जैसे सुगम आवाजाही का अधिकार और शांति से जीने का अधिकार—का लंबे समय तक प्रभावित होना न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। जब आंदोलन की आड़ लेकर स्थापित विधिक प्रक्रियाओं, सार्वजनिक नियमों और आम नागरिकों की सुरक्षा की अवहेलना होने लगती है, तो कानून को एक निष्पक्ष मार्गदर्शक और नियंत्रक के रूप में अपनी भूमिका निभानी पड़ती

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों ने समय-समय पर विरोध प्रदर्शनों की सीमा, स्थान और मयार्दा को लेकर अत्यंत संतुलित मार्गदर्शिकाएँ जारी की हैं। न्यायालय का हमेशा से यह स्पष्ट मत रहा है कि लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि इसके कारण सार्वजनिक व्यवस्था को बंधक बना लिया जाए।

मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) के इस ऐतिहासिक मामले में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने एक अत्यंत संतुलित निर्णय देते हुए स्पष्ट किया कि प्रदर्शनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना नागरिक अधिकारों का हनन होगा। न्यायालय ने दिल्ली पुलिस और स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि वे विरोध प्रदर्शनों के लिए एक उचित और सीमित उपयोग की विनियामक नीति तैयार करें, ताकि सुरक्षा, स्थानीय निवासियों के शांतिपूर्ण जीवन और नागरिक अधिकारों के बीच एक स्वस्थ संतुलन बना रहे।अमित साहनी बनाम पुलिस कमिश्नर (शाहीन बाग मामला - 2020) के इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अपने रुख को और स्पष्ट करते हुए कहा कि यद्यपि असहमति और विरोध प्रदर्शन एक संवैधानिक अधिकार हैं, परंतु प्रदर्शनकारी अनिश्चितकाल के लिए सार्वजनिक मार्गों या स्थानों को अवरुद्ध नहीं कर सकते। सार्वजनिक स्थानों का इस तरह घेराव करना स्वीकार्य नहीं है और प्रदर्शन केवल प्रशासन द्वारा 'चिन्हित या निर्धारित स्थलों' पर ही किए जाने चाहिए ताकि आम जनता को भारी असुविधा न हो। अनीता ठाकुर बनाम जम्मू-कश्मीर राज्य (2016) के इस मामले में अदालत ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा अत्यधिक या असंगत बल प्रयोग की निंदा की थी और मुआवजे का आदेश दिया था। लेकिन साथ ही यह भी रेखांकित किया था कि यदि प्रदर्शनकारी हुड़दंग, तोड़फोड़ या हिंसा पर उतारू होते हैं, तो कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की जिम्मेदारी और कठिन हो जाती है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू प्रदर्शनों के दौरान होने वाली हिंसा और सार्वजनिक या निजी संपत्तियों को नुकसान पहुँचाना है। करदाताओं के पैसे से बनी सार्वजनिक संपत्तियों (जैसे बसें, पुलिस वाहन, बैरिकेड्स या सरकारी इमारतें) को आंदोलन की आड़ में नष्ट करना एक गंभीर विधिक अपराध है। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'इन रीः डिस्ट्रक्शन ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टीज (2009)' मामले में जारी की गई गाइडलाइंस अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी भी हिंसक आंदोलन या तोड़फोड़ की स्थिति में, उस आंदोलन का आह्वान करने वाले संगठनों और उनके शीर्ष नेताओं को 'अपेशन' या दुष्प्रेरण का दोषी माना जा सकता है। नुकसान का आकलन करने के लिए एक दावा आयुक्त नियुक्त किया जा सकता है, जो जांच के बाद दोषियों या संबंधित संगठनों की संपत्तियों से नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करता इसके अलावा, 'प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट, 1984' के तहत ऐसे मामलों में कड़ी आपराधिक कार्रवाई का प्रावधान है। यह विधिक व्यवस्था यह संदेश देती है कि भीड़ का हिस्सा बनकर या किसी संगठन के झंडे के पीछे छिपकर कानून से बचना अब संभव नहीं है। 21वीं सदी के वर्तमान प्रशासनिक और न्यायिक परिदृश्य में किसी भी प्रकार की वित्तीय, प्रक्रियात्मक या हिंसक अनियमितता करके बच निकलना तकनीकी रूप से लगभग असंभव हो चुका है। समकालीन जांच प्रणालियाँ किसी व्यक्ति विशेष के राजनैतिक या सामाजिक प्रभाव से परे होकर विशुद्ध रूप से वैज्ञानिक और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर कार्य करती हैं:जैसे तकनीकी निगरानी और दृश्य साक्ष्य : वर्तमान में जंतर-मंतर और उसके आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों को हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन कैमरों और पुलिस वीडियोग्राफी से कवर किया जाता है। यह तकनीक दोतरफा सुरक्षा प्रदान करती है—एक तरफ यह किसी भी प्रदर्शनकारी द्वारा की जाने वाली हिंसा या उकसावे की गतिविधि को निष्पक्षता से रिकॉर्ड करती है, तो दूसरी तरफ यह पुलिस द्वारा किए जाने वाले किसी भी संभावित अत्यधिक बल प्रयोग पर भी नजर रखती है। इससे बेगुनाह नागरिकों को सुरक्षा मिलती है और वास्तविक दोषियों की पहचान अकाट्य साक्ष्यों के साथ सुनिश्चित होती है। वित्तीय फॉरेंसिक और मनी ट्रेल चंदे के नाम पर होने वाले वित्तीय घपलों या विदेशी फंडिंग (FCRA विनियमों के उल्लंघन) को रोकने के लिए प्रवर्तन निदेशालय और वित्तीय खुफिया इकाइयाँ बैंकिंग ट्रेल और डिजिटल फॉरेंसिक का सहारा लेती हैं। कानून के समक्ष अब यह अनिवार्य हो चुका है कि सार्वजनिक आंदोलनों के लिए आने वाले हर एक पैसे का ऑडिट हो और उसका वैध हिसाब रखा जाए। विधिक संहिताओं का अनुप्रयोग में भारतीय न्याय संहिता और सुरक्षा से जुड़े अन्य विशेष अधिनियमों के तहत अब प्रक्रियाएं अधिक संरचित और पारदर्शी बनाई गई हैं। कानून का यह कड़ा ढांचा यह सुनिश्चित करता है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले तत्वों के खिलाफ त्वरित और साक्ष्य-आधारित विधिक प्रक्रिया अपनाई जाए। गौरतलब है कि लोकतंत्र केवल अधिकारों के उपभोग का नाम नहीं है, बल्कि यह कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की भी मांग करता है। एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिकता ही किसी भी देश के लोकतंत्र को मजबूत और परिपक्व बनाती है। जब नागरिक और आंदोलनकारी स्वयं आंतरिक अनुशासन का पालन करते हैं, तो विनियामक एजेंसियों को अत्यधिक हस्तक्षेप करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। इसके साथ ही, समकालीन मीडिया और सोशल मीडिया के दौर में अब किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े, छिपे हुए एजेंडे या पाखंड को लंबे समय तक छुपाना संभव नहीं है। खोजी पत्रकारिता और आम नागरिकों द्वारा बनाई जाने वाली वीडियो क्लिपिंग्स तुरंत सच को सामने ला देती हैं। जनता अब केवल भावुक और उत्तेजक नारों के पीछे नहीं भागती, बल्कि वह दावों के पीछे छिपे हुए तथ्यों, तर्कों और पारदर्शिता को परखती है।

जंतर-मंतर जैसी ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण जगहों पर होने वाली किसी भी प्रकार की धांधली, प्रक्रियात्मक अराजकता या गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ प्रशासनिक और विधिक मुस्तैदी किसी राजनीतिक विद्वेष का परिणाम नहीं, बल्कि कानून के शासन को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। राज्य की मजबूत, पारदर्शी और आधुनिक जांच प्रणालियां आज यह सुनिश्चित कर रही हैं कि लोकतांत्रिक अधिकारों और आम जनता के भरोसे का दुरुपयोग करने वाले तत्वों के लिए कानून की पकड़ से बचने का कोई चोर रास्ता या तकनीकी खामी न बचे।एक परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र के रूप में भारत को यह निरंतर याद रखना होगा कि अधिकारों और कर्तव्यों के बीच का संतुलन ही समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। शांतिपूर्ण, तर्कसंगत, साक्ष्य-आधारित और पारदर्शी संवाद ही लोकतंत्र के असली आभूषण हैं। कानून का यह सख्त और निष्पक्ष रुख अंततः उन वास्तविक, ईमानदार और शांतिप्रिय आंदोलनकारियों के हितों की भी रक्षा करता है जो पूरी मयार्दा के साथ अपनी जायज मांगें सरकार और राष्ट्र के सामने रखना चाहते हैं। कानून की नजर में धांधली, हिंसा और पारदर्शिता का अभाव तीनों ही पूरी तरह से असहनीय हैं, और यही विधिक सर्वोच्चता अंततः एक स्वस्थ और सशक्त लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है।

छात्र आंदोलन का जंतर मंतर से राष्ट्रव्यापी हो जाना

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

जंतर मंतर से शुरू हुए छात्र आंदोलन का महज 25 दिनों मे राष्ट्रव्यापी हो जाना राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन का विषय हो सकता है। अध्ययन के साथ यह सरकार के सोचने का विषय भी है की जब देश मे चारो तरफ गुड़ फील महसूस किया जा रहा है, तो फिर ये अचानक देश की जनता को क्या हुआ जो सरकार के विरोध मे इतने बड़े स्तर पर आंदोलित होने लगी। छात्रों का यह आंदोलन 20 से 25 दिनों मे भारत के आमजन का आंदोलन कैसे बन गया। सोच विचार और अध्ययन का विषय यह भी हो सकता है, जब देश के मिडिया का बड़ा हिस्सा छात्रों के आंदोलन की गतिविधियों को प्रचारित और प्रकाशित करने से गुरेज कर रहा हो, तब इतने अल्प समय मे काकरोच जनता पार्टी का सन्देश गाँव-गांव, घर-घर तक कैसे पहुंचा, छात्र सहित छात्रों के अभिभावको ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देने का निर्णय लिया। आखिर कैसे जंतर मंतर पहुंचने के आह्वान पर सम्पूर्ण भारत से लोग बिना किसी प्रबंध के स्वविवेक से निर्भय होकर दिल्ली के आंदोलन मे शामिल होने लगे, जो दिल्ली नहीं जा सके उन्होंने अपने शहर के आंदोलन मे जाना उचित समझा।

आंदोलन किसी निश्चित उद्देश्य या विचार की पूर्ति के लिए लोगो द्वारा किया गया संगठित और सामूहिक प्रयास होता है। इसका मुख्य उद्देश्य अन्याय, शोषण, अव्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करना समाज, राजनीति और अर्थ व्यवस्था मे बदलाव लाना होता है। दिल्ली के जंतर मंतर पर उभरा आंदोलन शिक्षा व्यवस्था मे आमूलचूल परिवर्तन, नीट पेपर लिक मामले मे 22 छात्रों की आत्महत्याएं और लाखों छात्रों के अंधकार मे डूबते भविष्य की जवाबदेही लेते हुए भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तिफे की मांग को लेकर शुरू हुआ। यह आंदोलन नव गठित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले शुरू हुआ।

जैसा की सत्ता पर काबिज दल की नीति है, अपने खिलाफ उठी आवाज को राष्ट्र विरोधी बताकर भयभीत किया जाता रहा है। अपनी आदत अनुसार विदेशी फंडिंग, डपली वाली गैंग, अर्बन नक्सल, आंदोलन जीवी, आतंकवादी जैसे शब्दों से सम्बोधित किया जाने लगा। अभिजीत दीपके सहित तमाम छात्रों को विदेशी ऐजेंट बताया जाने लगा। जब इस आंदोलन को पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुग ने समर्थन किया, वें अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे तो उन्हें भारत विरोधी चीन का जासूस कहना आरम्भ कर दिया। यह शब्द भारतीय जनमानस को चुभने लगे। तिरंगा हाथ मे उठाकर भारत माता की जय जयकार करने वाले, देशभक्ति के तरानों पर झूमने वाले, अपने हाथों मे भगतसिंह और अम्बेडर की तस्वीर टाँगे युवाओं को सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा लगातार अपमानित करना देश के छात्रों और आमजन को नागवार गुजरा। सोनम वांगचुग को भूख हड़ताल से जबरदस्ती उठाना भी आग मे घी का काम कर गया। सोश्यल मिडिया जंतर मंतर के वीडियो और संदेशो से भर गया। सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए सबसे बड़ा प्रयास एवं अलोकतान्त्रिक रवैय्या जब सामने आया जब 20 जुलाई को चलो संसद अभियान मे देश भर से शामिल छात्र-छात्राओं और आमजन पर बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया, अश्रुगैस के गोले छोड़े गए, रबर की गोलियों से हजारों छात्र-छात्राओं को घायल किया गया। दिल्ली पुलिस की इस बर्बरता पूर्ण कार्यवाही के बाद देश भर मे सरकार के प्रति आमजन का गुस्सा फुट पड़ा। जंतर मंतर पर चल रहे आंदोलन की सबसे बड़ी बात यह रही की यहाँ से वैज्ञानिक सोनम वांगचुग सहित, आंदोलन के कर्ता धताओं ने गांधीगिरी को अपना हथियार बनाया पुलिस की सख़्ती के बावजूद देश की जनता से आंदोलन मे शामिल होने की अपील की जाती रही। जंतर मंतर के आंदोलनकारी देश के सामने सरकार की शिक्षा नीति मे दोष, इसमे परिवर्तन की संभावना, नीट पेपर लिक मामले मे सरकार की विफलता बताने मे कामयाब हुए। सोश्यल मिडिया पर चल रहे इस वैचारिक छात्र आंदोलन को सरकार और गोदी मिडिया लगातार दबाने के प्रयास करता रहा। इस आंदोलन मे छात्रों की मुखरता, निडरता और प्रतिबद्धता के साथ सरकार के सख्त रुख से टकराने की भावना आमजन मे आंदोलन मे शामिल होने और छात्रों के साथ खडे रहने की भावना पैदा कर गयी। जंतर मंतर के छात्र आंदोलन मे अनेको विरोधी विचारों के बावजूद भी देश प्रथम की भावना देखी गयी। आंदोलन के राष्ट्रव्यापी होने के बहुत से कारणों मे आंदोलनकारियों का प्रजातंत्र के मुख्य अस्त्र हड़ताल, भूख हड़ताल, आमरण अनशन और गांधीगिरी मे प्रबल विश्वास देखा गया। भारतीय संविधान, महापुरुषो और प्रजातात्रिक तौर तरीको ने इस आंदोलन को सरकार की सख़्ती और राष्ट्रीय मिडिया की अनदेखी के बावजूद भी जन आंदोलन मे बदलने मे सफलता मिल पाई है। इसे सफल कहने के पीछे अब आंदोलन के प्रति सरकार का उदार होना देश के प्रधानमंत्री द्वारा संदेश के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था मे सुधार के कदमो का जिक्र करना, सबसे बड़ी बात आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करने के प्रयास करना शामिल है। देश के हुक्मरानो को यह याद रखना चाहिए की सरकार प्रजातंत्र की देन है। प्रजातात्रिक तौर तरीको से ही चलाई जाना चाहिए। जब सरकार मे जवाबदेही की भावना खत्म हो जाती है, तब ऐसे प्रजातांत्रिक आंदोलन जन्म लेते है। इतिहास गवाह है, स्वतंत्र भारत मे सरकार किसी भी दल या विचारों की हो, प्रजातांत्रिक मूल्यों पर कुठराघात देश की जनता सहन नहीं करती है।

लोकतंत्र शोर से नहीं, मीडिया के सख्त सवालों से होगा परिपक्व

समय के साथ लोगों की सोच और नजरिया काफी बदल गया है। खासकर आज की युवा पीढ़ी में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बदलाव की वजह सोशल मीडिया और मोबाइल है, जिसमें सब कुछ खुला हुआ है। डिजिटल क्रांति और 24/7 न्यूज चैनलों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिस युग में सुकरात और कौटिल्य जैसे विचारकों को ज्ञान और अनुभव के वर्षों बाद सम्मान मिलता था, आज रील्स और ट्वीट्स के 15 सेकेंड में हर इंसान खुद को महाज्ञानी घोषित कर चुका है। लेकिन इस पूरे तमाशे का सबसे विकृत पहलू यह है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ (मीडिया) और सोशल मीडिया के दौर ने देश के खारिज किए गए नेताओं को एक ऐसा मुफ्त का लाउडस्पीकर दे दिया है, जो बिना किसी जवाबदेही के दिन-रात बजता रहता है। जनता जिन्हें चुनाव में नकार देती है, जिन्हें जमीन पर दो लोग सुनने को तैयार नहीं होते, वही नेता शाम 8 बजे टीवी स्क्रीन पर आकर देश और दुनिया को नैतिकता और शासन का पाठ पढ़ाते हैं। मीडिया उन्हें रहनुमा की तरह पेश करता है, लंबी-लंबी बाइट्स दिखाता है, लेकिन अफसोस, उनसे एक तीखा या सही सवाल पूछने का साहस कोई पत्रकार नहीं जुटा पाता।

आज का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता का धर्म निभाने के बजाय पौराणिक नारद मुनि की भूमिका में आ चुका है, लेकिन एक नकारात्मक अर्थ में। मीडिया का काम अब सच उजागर करना नहीं, बल्कि दो नेताओं को स्टूडियो में आमने-सामने बिठाकर उनमें आग लगाना रह गया है। देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, कृषि और वैज्ञानिक विकास जैसे बुनियादी मुद्दे अब गौण हो चुके हैं। मीडिया के लिए वही खबर प्राइम टाइम के लायक है, जो समाज में सनसनी फैलाए या नफरत का तड़का लगाए। जब कोई खारिज किया गया नेता स्टूडियो में बैठकर बेतुके दावे करता है, तो एंकर उनसे यह नहीं पूछता कि आपने अपने कार्यकाल में इस समस्या के लिए क्या किया? या जनता ने आपको क्यों हराया? इसके बजाय, एंकर सिर्फ एक पक्ष के नेता का बयान दूसरे के सामने उछालकर बहस को गाली-गलौज का मंच बना देता है।

सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों के इस दौर की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि मीडिया का पूरा ध्यान या तो वंशवादी-विरासती राजनीति के राजकुमारों पर रहता है, या फिर रोज बखेड़ा खड़ा करने वाले ट्रोल-नेताओं पर। इस तमाशे के बीच वे नेता पूरी तरह अनदेखा कर दिए जाते हैं, जो किसी राजनीतिक घराने से नहीं आते, बल्कि अपनी शिक्षा, जमीनी संघर्ष और कार्य-योग्यता के बल पर आगे बढ़े हैं। इसके कई उदाहरण मौजूद हैं। डॉ. एस. जयशंकर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते। वे एक पूर्व नौकरशाह और कूटनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने अपनी प्रशासनिक और बौद्धिक क्षमता के बल पर देश की विदेश नीति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जब वैश्विक मंचों पर भारत का रुख तय करने की बात आती है, तो जयशंकर जैसे योग्य नेताओं की नीतिगत बातें 2 मिनट के क्लिप में सिमट जाती हैं। वहीं दूसरी ओर, चुनाव हारे हुए नेता जब विदेश नीति पर कोई बचकाना बयान देते हैं, तो मीडिया उस पर 2 घंटे का प्राइम टाइम डिबेट चलाता है। योग्यता को दरकिनार कर सनसनी को तरजीह दी जाती है।

-संजय सक्सेना

तमिलनाडु की राजनीति में के. अन्नामलाई एक ऐसा नाम हैं, जो बिना किसी राजनीतिक विरासत के आगे आए। वे एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्होंने आईआईएम से पढ़ाई की और बाद में अपनी प्रशासनिक नौकरी छोड़कर जमीन पर राजनीति शुरू की। मीडिया अक्सर ऐसे नेताओं के विजन, उनकी प्रशासनिक सोच या उनके द्वारा उठाए गए बुनियादी मुद्दों पर गहराई से रिपोटिंग नहीं करता। इसके बजाय, अगर कोई वंशवादी नेता अन्नामलाई पर कोई निजी टिप्पणी कर दे, तो मीडिया उस विवाद को 24 घंटे चलाएगा, लेकिन अन्नामलाई की शैक्षणिक या प्रशासनिक पृष्ठभूमि से निकले विचारों पर कोई बहस नहीं होगी।इसी प्रकार पूर्वोत्तर भारत में सबार्नंद सोनोवाल और हेमंत विश्वा शर्मा जैसे नेताओं ने बिना किसी बड़े राजनीतिक घराने के ठप्पे के, छात्र राजनीति और जमीनी संघर्षों से अपनी पहचान बनाई। मीडिया को पूर्वोत्तर के इन नेताओं के विकास मॉडल या उनकी योग्यता से ज्यादा दिलचस्पी इस बात में रहती है कि वे किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ क्या तीखा बयान दे रहे हैं। मीडिया उनकी योग्यता को तब तक तवज्जो नहीं देता, जब तक वे टीवी की टीआरपी के हिसाब से मसालेदार बयान न दें।

जो नेता अपनी नीतियों और नफरत भरी राजनीति के कारण जनता द्वारा पूरी तरह ठुकरा दिए गए हैं, उनके लिए सोशल मीडिया एक संजीवनी बूटी बन चुका है। सोशल मीडिया पर हर नेता ने अपनी एक ट्रोल आर्मी और समर्थकों का एक छोटा समूह बना लिया है। यहां वे खुद को पीड़ित और देश का सबसे बड़ा रहनुमा साबित करते हैं। पहले नेता को अपनी बात जनता तक पहुंचाने के लिए काम करना पड़ता था। आज एक ट्वीट या फेसबुक लाइव करके कोई भी पूर्व-नेता खुद को ज्ञान का भंडार घोषित कर देता है। टीवी चैनल अब खुद से खबरें ढूंढने के बजाय नेताओं के इन्हीं ट्वीट्स और रील्स पर ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। यानी जनता द्वारा खारिज नेता ही अब मीडिया का कंटेंट तय कर रहे हैं। जब मीडिया और सोशल मीडिया का केंद्र बिंदु योग्यता के बजाय सनसनी और खारिज किए गए नेताओं का आलाप बन जाता है, तो इसके गंभीर परिणाम पूरे देश को भुगतने पड़ते हैं।

स्वास्थ्य, बेरोजगारी, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों पर से जनता का ध्यान भटक जाता है। देश का युवा यह देखता है कि योग्यता, पढ़ाई और जमीनी काम करने वालों की जगह टीवी पर बहस करने और नफरत फैलाने वाले ही दिख रहे हैं, जिससे राजनीति का स्तर गिरता है। जब मीडिया सवाल पूछना बंद कर देता है, तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही जनता के प्रति लापरवाह हो जाते हैं। कुल मिलाकर, आज का मीडिया और वायरल संस्कृति भले ही जनता के ठुकराए गए नेताओं को मसीहा बनाकर पेश कर रही हो, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक लोकतंत्र के हित में नहीं है। टीवी स्टूडियोज में योग्य, पढ़े-लिखे और जमीनी संघर्ष से आए नेताओं (चाहे वे किसी भी दल के हों) को जगह देनी होगी। खारिज किए गए नेताओं की लंबी बाइट्स दिखाने के बजाय उनसे कड़े और तथ्यात्मक सवाल पूछने का साहस दिखाना होगा। जब तक मीडिया टीआरपी की हवस छोड़कर योग्यता को तरजीह नहीं देगा और जनता के असली मुद्दों पर सवाल नहीं पूछेगा, तब तक सोशल मीडिया के ये स्वघोषित ज्ञानी और ठुकराए गए नेता देश के विकास की दौड़ में अड़ंगा लगाते रहेंगे। लोकतंत्र की असली मजबूती शोर में नहीं, बल्कि सही सवाल में छिपी है।

मीरारोड की डॉ. गीता सल्होत्रा को मिला महाएक्यू पंचररत्न पुरस्कार

भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र आयुष इंटरनेशनल मेडिकल एसोसिएशन द्वारा औरंगाबाद में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में मीरा रोड की सुप्रसिद्ध एक्यूपंचर विशेषज्ञ डॉ गीता सल्होत्रा को महाएक्यूपंक्चररत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार उनकी बेहतरीन लंबी और प्रभावशाली चिकित्सा सेवाओं को देखते हुए प्रदान किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार डॉ. नितिन राज पाटिल के हाथों मिला। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में डॉ नजर काजी, अभिनेता सुयोग गोन्हे, डॉ सतीश कराले, डॉ दिशा चव्हाण, अभिजीत कवटकर समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। डॉ.गीता सल्होत्रा एक्युपंचर चिकित्सा में टऊहैं। वे पिछले 29 वर्षों से मीरा रोड के शांति पार्क स्थित अपने क्लीनिक पर विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों का सफल उपचार कर रही हैं। उनकी कामयाबी का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, ओमान, मस्कट, अफ्रीका, श्रीलंका इंडोनेशिया जैसे अनेक देशों के मरीजों का इलाज किया। उनको पुरस्कार मिलने पर अनेक लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है।

इजराइल में रोजगार हेतु चयनित अभ्यर्थियों को आवासीय प्रशिक्षण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्य के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग द्वारा निरंतर विभिन्न पहलें संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में इजराइल में रोजगार हेतु चयनित अभ्यर्थियों को वहां की कार्यप्रणाली, गुणवत्ता मानकों तथा व्यावसायिक अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए इजराइली मानकों के अनुसार आवासीय प्रशिक्षण आयोजित करने को शासन ने स्वीकृति प्रदान की है। कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के निर्णयानुसार, इजराइल में प्लेसमेंट हेतु चयनित प्रथम बैच के 106 अभ्यर्थियों को दिनांक 27 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), औंध, पुणे में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में इजराइल में सेवा क्षेत्र के रोजगार हेतु चयनित अभ्यर्थियों को शामिल किया गया है। इन अभ्यर्थियों को संबंधित व्यवसाय के इजराइली मानकों, कार्यस्थल पर पालन किए जाने वाले सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों, आधुनिक निर्माण पद्धतियों, व्यावसायिक अनुशासन, कार्य संस्कृति तथा विदेश में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशलों का आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इस प्रशिक्षण से अभ्यर्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायता मिलेगी तथा वे इजराइल के नियोक्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने के लिए अधिक सक्षम रूप से तैयार हो सकेंगे। विदेश की कार्य संस्कृति के साथ शीघ्र सामंजस्य स्थापित करना, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करना, रोजगार को बनाए रखने की क्षमता विकसित करना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के कौशल अर्जित कर बेहतर करियर के अवसर प्राप्त करने में यह प्रशिक्षण उपयोगी सिद्ध होगा। इस संबंध में शासनादेश कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग द्वारा जारी किया गया है तथा यह महाराष्ट्र शासन की आधिकारिक वेबसाइट www.maharashtra.gov.in पर उपलब्ध है।

सदिच्छा भेंट में जनहित के मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मुख्य कार्यालय में शिवसेना के गटनेता एवं वॉर्ड क्रमांक 178 के नगरसेवक अमेय घोले से समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने शिष्टाचार (सदिच्छा) भेंट की। इस अवसर पर मुंबई शहर के विभिन्न जनहित एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने नागरिकों की समस्याओं तथा उनके त्वरित समाधान के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए। वहीं, अमेय घोले ने जनहित के कार्यों में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। दोनों के बीच सामाजिक समरसता, विकास कार्यों को गति देने तथा नागरिकों के हित में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई। यह सौजन्य मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और जनसेवा के प्रति साझा संकल्प को और मजबूत करने वाली रही।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर विशेषज्ञों ने बढ़ते साइलेंट लिवर डैमेज को लेकर दी चेतावनी, जागरूकता और बचाव पर दिया जोर

मुंबई/पटना। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में बढ़ रहे लिवर संबंधी रोगों पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से लिवर की सुरक्षा के लिए दैनिक जीवन में स्वस्थ आदतें अपनाने का आह्वान किया है। शरीर का प्राकृतिक डिटॉक्सिफिकेशन केंद्र कहलाने वाला लिवर पाचन, मेटाबॉलिज्म, रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने सहित 500 से अधिक महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन करता है। इसके बावजूद, लिवर स्वास्थ्य आज भी समग्र स्वास्थ्य देखभाल के सबसे उपेक्षित पहलुओं में से एक बना हुआ है। समग्र लिवर देखभाल पर बात करते हुए वरिष्ठ आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. प्रीति छाबड़ा ने कहा, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ लोग ऐसे प्रमाण-आधारित हर्बल फॉर्मूलेशन पर भी विचार कर सकते हैं जो सामान्य लिवर कार्यों को सहयोग प्रदान करते हैं। समय-परीक्षित आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से विकसित डाबर हेपानो जैसे उत्पाद लिवर स्वास्थ्य को बनाए रखने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हो सकते हैं। हालांकि, कोई भी सप्लीमेंट संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और चिकित्सकीय परामर्श का विकल्प नहीं हो सकता। विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक जीवनशैली ने लिवर संबंधी समस्याओं के जोखिम को काफी बढ़ा दिया है। अनियमित खानपान, प्रोसेस्ड फूड का अत्यधिक सेवन, शारीरिक निष्क्रियता, शराब का सेवन, स्वयं दवा लेना, पर्यावरणीय प्रदूषण और बढ़ते मेटाबॉलिक विकार लिवर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर व सेवा आश्रम विद्यालय द्वारा आषाढ़ी एकादशी कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी शनिवार 25 जुलाई 2026 को रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर व सेवा आश्रम विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आषाढ़ी एकादशी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझ्तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस वर्ष के आयोजन की विशेषता इसका सुव्यवस्थित, अनुशासित एवं सुनियोजित संचालन रहा। इसके पीछे प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवं पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन चंद्रकांत कोठावदे का अथक परिश्रम, उत्कृष्ट योजना, कुशल नेतृत्व एवं समर्पित प्रयास प्रमुख रहे। उनके मार्गदर्शन में संपूर्ण कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं यादगार बना।

कार्यक्रम का शुभारंभ बोईसर पुलिस थाना के सहायक पुलिस निरीक्षक सतीश आस्वर के हाथों किया गया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं नागरिकों को शुभकामनाएँ देते हुए सुरक्षित एवं अनुशासित यात्रा का संदेश दिया। संपूर्ण पालकी यात्रा के दौरान बोईसर पुलिस द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा हेतु मार्गभर समुचित पुलिस सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई, जिसके कारण यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। रोटरी क्लब एवं सेवा आश्रम विद्यालय ने बोईसर पुलिस के इस सराहनीय सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन को सफल बनाने में आईपीपी रामनारायण गोयल, रो. संतोष बंग, रो. रत्नमाला बंग तथा रो. मुकेश भाटिया का विशेष योगदान रहा। इसके अतिरिक्त रो. शैलेश अग्रवाल, रो. हरेश्वर अधिकारी, विद्यालय प्रशासन, विकास सर तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय स्टाफ ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान विठ्ठल की भव्य पालकी यात्रा रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं विद्यार्थी श्विठ्ठल... विठ्ठल... जय हरि विठ्ठलश् के जयघोष के साथ भक्ति में सराबोर होकर यात्रा में सम्मिलित हुए। पालकी यात्रा सेवा आश्रम विद्यालय से प्रारंभ होकर मुख्य मार्केट, रेलवे स्टेशन मार्ग से होते हुए राम मंदिर पहुँची, जहाँ भगवान विठ्ठल को विश्राम कराया गया।पालकी यात्रा के दौरान विद्यालय के विद्यार्थी हाथों में जनोपयोगी संदेशों वाले बैनर लेकर चल रहे थे। इन बैनरों के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम एवं जागरूकता संबंधी प्रेरक नारों का प्रसार किया गया। विद्यार्थियों ने समाज को जनस्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देते हुए जन-जागरण अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई, जिसे उपस्थित नागरिकों ने विशेष रूप से सराहा।

राम मंदिर परिसर में यात्रा में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों एवं अन्य श्रद्धालुओं का अल्पाहार से स्वागत किया गया। सभी को साबूदाना खिचड़ी, केला, राजगिरा का लड्डू एवं पेयजल वितरित किया गया। तत्पश्चात पालकी यात्रा ओस्तवाल मार्ग से पुनः सेवा आश्रम विद्यालय पहुँची, जहाँ धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजन का समापन हुआ। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझ्तारापुर की ओर से अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य, फर्स्ट लेडी अर्चना वैश्य, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवं पूर्व अध्यक्ष चंद्रकांत कोठावदे, सचिव रेखेश जैन, आईपीपी रामनारायण गोयल, पूर्व अध्यक्ष संदीप राऊत, राकेश मिश्रा, सत्येंद्र सिंह शेखावत, विनायक पदमवार, रमेश मित्तल, जगदीश भूते, वैशाली शिंदे, स्वामीनाथ पाण्डेय, रो. शैलेश अग्रवाल, रो. संतोष शिंदे, रो. कमलेश हम्बीरे, रो. मुकेश भाटिया, रो. संतोष बंग, रो. रत्नमाला बंग, रो. अलका जैन, सविता गोयल, विजयमाला भूते सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अडानी के नए बिजली मीटरों को लेकर वसई-विरार और पालघर में लोगों में नाराजगी

वसई (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के नालासोपारा, वसई और विरार सहित कई इलाकों में लगाए जा रहे नए अडानी बिजली मीटरों को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि नए मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल पहले की तुलना में अधिक आ रहे हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बढ़े हुए बिजली बिलों का भुगतान करना उनके लिए कठिन हो गया है।

उनका कहना है कि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें भी दी गई हैं और उचित जांच की मांग की जा रही है। इस मुद्दे पर समाजसेवी संजय पांडे ने भी आम जनता की आवाज उठाते हुए संबंधित विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं तकनीकी या बिलिंग संबंधी गड़बड़ी है तो उसे जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए ताकि आम जनता को परेशानी न हो।

टीईटी पेपर लीक का मास्टरमाइंड एक माह बाद गिरफ्तार, पटना से साथी समेत गिरफ्तार

भिवंडी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

भिवंडी **(उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पेपर लीक मामले में एक माह से फरार चल रहे मुख्य साजिशकर्ता बिजेंद्र कुमार गुप्ता को आखिरकार भिवंडी पुलिस ने उसके साथी इंद्रजीत सिंह उर्फ पिकू के साथ बिहार की राजधानी पटना से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को शनिवार को भिवंडी लाया गया। इस कार्रवाई की जानकारी भिवंडी परिमंडल के पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड ने पत्रकार परिषद में दी। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त डॉ. विजय मराठे तथा सचिन सांगळे भी उपस्थित थे।

पुलिस के अनुसार, 28 जून को आयोजित होने वाली महाराष्ट्र टीईटी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने और उसे बेचने के लिए कुछ लोगों के महाराष्ट्र आने की सूचना परीक्षा से पहले ही मिल गई थी। इसके आधार पर 27 जून को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कोनगांव पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच आगे बढ़ने के साथ पेपर लीक के पीछे एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ, जिसमें बिजेंद्र कुमार गुप्ता को मुख्य मास्टरमाइंड पाया गया। मुख्य आरोपी की तलाश में भिवंडी पुलिस की कई टीमें बिहार, आगरा और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों में भेजी गईं। तकनीकी विश्लेषण, गुप्त सूचना और विभिन्न राज्यों की जांच एजेंसियों के सहयोग से चलाए गए अभियान के बाद आरोपी के पटना में छिपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने सावधानीपूर्वक कार्रवाई करते हुए बिजेंद्र कुमार गुप्ता और उसके साथी इंद्रजीत सिंह उर्फ पिकू को गिरफ्तार कर लिया। डॉ. पवन बनसोड ने बताया कि इस मामले में अब तक कुल 14 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें बिजेंद्र गुप्ता की पत्नी सुमन कुमारी गुप्ता, उसके साले मिथुन कुमार सिंह तथा आगरा स्थित प्रिंटिंग प्रेस के कई कर्मचारी भी शामिल हैं।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बिजेंद्र कुमार गुप्ता के आगरा स्थित प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारियों से आर्थिक संबंध थे। जब भी किसी महत्वपूर्ण परीक्षा का प्रश्नपत्र छपाई के लिए प्रेस में आता था, वह कर्मचारियों को मोटी रकम और अन्य लालच देकर प्रश्नपत्र हासिल कर लेता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि लीक किए गए प्रश्नपत्र किसे, कितनी कीमत पर और किन-किन स्थानों पर बेचे गए। दोनों आरोपियों को भिवंडी न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें 30 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी से पूरे पेपर लीक नेटवर्क, उसकी कार्यप्रणाली तथा इस साजिश में शामिल अन्य लोगों का खुलासा होने की उम्मीद है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर बना सहारा, ग्राम किरात में वितरित की राशन किट

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर ने मानवता का परिचय देते हुए ग्राम किरात में राहत राशन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। क्लब के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य के मार्गदर्शन तथा क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन सत्येंद्र सिंह शेखावत के सौजन्य एवं प्रायोजन से आयोजित इस सेवा अभियान के तहत बाढ़ प्रभावित परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई।

राहत किट में आटा, चावल, खाद्य तेल तथा दैनिक उपयोग के आवश्यक मसाले शामिल थे। क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे परिवारों को इस कठिन समय में आवश्यक सहयोग व संबल प्रदान करना ही इस अभियान का उद्देश्य है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य, फर्स्ट लेडी अर्चना वैश्य, प्रोजेक्ट डायरेक्टर रोटेरियन सत्येंद्र सिंह शेखावत, कोऑर्डिनेटर जगदीश भूते, कमलेश हमबीरे सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और स्वयं राहत सामग्री वितरण में सहभागिता निभाई। रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझ्तारापुर के अध्यक्ष ने कहा कि संस्था हमेशा सेवा ही सर्वोपरि के सिद्धांत पर कार्य करती रही है और भविष्य में भी समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए ऐसे जनहितकारी सेवा कार्य निरंतर जारी रखेगी। स्थानीय ग्रामीणों ने क्लब के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

अतिवृष्टि से पालघर में भारी तबाही, व्यापारियों के लिए बीमा सुरक्षा जरूरी : पालकमंत्री गणेश नाईक

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में हुई रिकॉर्डतोड़ बारिश और बाढ़ से आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचने के लिए व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठान और संपत्ति का बीमा कराना समय की आवश्यकता है। यह बात महाराष्ट्र के वन मंत्री एवं पालघर के पालकमंत्री गणेश नाईक ने शनिवार को डहाणू स्थित उपविभागीय अधिकारी कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में कही।

पालकमंत्री नाईक ने कहा कि जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) के कारण प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता लगातार बढ़ रही है और इसका सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पालघर जिला महाराष्ट्र में सबसे अधिक समय तक 'रेड अलर्ट' पर रहने वाला जिला रहा। लगातार हुई मूसलाधार बारिश से कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई, जिससे लोगों के घर, सामान और आजीविका को भारी नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले ही जिलाधिकारी कार्यालय में किसानों की कर्जमाफी और बिजली बिल में राहत को लेकर बैठक हुई थी, लेकिन उसके बाद फिर हुई भारी बारिश ने हालात और गंभीर बना दिए। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का पुनः दौरा कर नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मानवीय एवं सामाजिक सेवा के लिए संजय जीवनलाल शाह एवं अल्पा संजय शाह सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ग्लोबल पीस काउंसिल, लंदन हेराल्ड इंटरनेशनल मैगजीन, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एम्बेसडर्स ऑर्गनाइजेशन तथा क्राइम प्रिवेंशन एंटी करप्शन कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में मुंबई के मेयर हॉल, अंधेरी (पश्चिम) में नेल्सन मंडेला नोबेल शांति पुरस्कार 2026 का भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायी आयोजन संपन्न हुआ। समारोह में देश-विदेश से आए प्रतिष्ठित उद्योगपति, शिक्षाविद, समाजसेवी, मानवाधिकार कार्यकर्ता, युवा उद्यमी एवं विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों ने सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। यह प्रतिष्ठित सम्मान समारोह उन व्यक्तित्वों को समर्पित रहा, जिन्होंने समाजसेवा, मानवाधिकार, शिक्षा, संस्कृति, आध्यात्मिकता, उद्यमिता एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। इसी क्रम में संजय जीवनलाल शाह एवं अल्पा संजय शाह (उपाध्यक्ष, महिला विभाग) को समाज, शिक्षा, धर्म एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन, समर्पित एवं अनुकरणीय योगदान के लिए नेल्सन मंडेला नोबेल शांति पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके सेवा-भाव, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता का सम्मान किया गया। गौरतलब हो कि संजय जीवनलाल शाह वर्षों से धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं मानवीय गतिविधियों के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं अल्पा संजय शाह महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता एवं सेवा कार्यों में निरंतर उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। दोनों का यह सम्मान उनके जनकल्याण के प्रति समर्पण एवं समाजहित में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिला महत्वपूर्ण सम्मान है। इस अवसर पर इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एम्बेसडर्स ऑर्गनाइजेशन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अविनाश डी. साकुंडे, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अफसर कुरैशी तथा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष राजेश उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने सम्मानित विभूतियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। अपने संबोधन में आयोजकों ने कहा कि नेल्सन मंडेला नोबेल शांति पुरस्कार केवल सम्मान प्रदान करने का मंच नहीं, बल्कि मानवता, शांति, सामाजिक समरसता, समानता, न्याय और वैश्विक भाईचारे के मूल्यों को सशक्त बनाने का एक प्रभावशाली अभियान है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तित्वों को प्रोत्साहित करते हैं तथा नई पीढ़ी को सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान नेल्सन मंडेला के प्रेरक विचारों का स्मरण करते हुए उनका प्रसिद्ध संदेश साझा किया गया। जीवन का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हमने कितना समय जिया, बल्कि इस बात में है कि हमने दूसरों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन लाया। यही हमारे जीवन की वास्तविक पहचान है। समारोह का समापन विश्व शांति, मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक समरसता, सेवा एवं इंसानियत के मूल्यों को अपनाने तथा एक न्यायपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। यह आयोजन सेवा, सम्मान, प्रेरणा और मानवता के आदर्शों को समर्पित एक अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर सिद्ध हुआ।

आषाढ़ी एकादशी पर अण्णाभाऊ साठे नगर में डिजिटल पेमेंट जागरूकता अभियान, महिलाओं ने सीखी सुरक्षित यूपीआई लेनदेन की जानकारी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देशभर में सुरक्षित, विश्वसनीय और व्यापक डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे विशेष जनजागरूकता अभियान के तहत सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड की ओर से आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर संघमित्रा आंगनवाड़ी, अण्णाभाऊ साठे नगर, नारपोली (भिवंडी) में डिजिटल पेमेंट जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन सीएससी वीएलई अशोक पाटोले के नेतृत्व में किया गया। इसमें अण्णाभाऊ साठे नगर क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को डिजिटल भुगतान का महत्व, सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन, यूपीआई के उपयोग तथा डिजिटल भुगतान करते समय बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीएससी के केंद्रीय समन्वयक बी. के. सिंह, प्रज्ञेश त्रिपाठी, महाराष्ट्र राज्य समन्वयक निलेश धांडे तथा ठाणे जिला प्रबंधक श्याम वाघ प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि डिजिटल भुगतान से समय, धन और श्रम की बचत होती है तथा आर्थिक लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ती है।कार्यक्रम में सीएससी वीएलई शुभांगी ठोसर ने डिजिटल भुगतान का प्रायोगिक प्रदर्शन करते हुए यूपीआई के माध्यम से पैसे भेजने और प्राप्त करने, क्यूआर कोड से भुगतान करने तथा साइबर ठगी से बचने के उपायों की सरल भाषा में जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल लेनदेन के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने पर भी विशेष जोर दिया।

आषाढ़ी एकादशी पर विठ्ठलमय हुआ काशीगांव, 51 फीट ऊंची श्री विठ्ठल मूर्ति की विधिवत पूजा-अर्चना

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा आषाढ़ी एकादशी के पावन पर्व पर शनिवार, 25 जुलाई 2026 को मीरा भायंदर महानगरपालिका की ओर से काशीगांव स्थित जरीमरी तालाब परिसर में स्थापित 51 फीट ऊंची श्री विठ्ठल मूर्ति की विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न हुई। महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता के शुभहस्ते तथा मनपा आयुक्त राधाबिनोद अ. शर्मा (भा.प्र.से.) की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

पूजा-अर्चना के दौरान महापौर श्रीमती डिंपल मेहता, मनपा आयुक्त राधाबिनोद शर्मा तथा शहर अभियंता दीपक खाम्बीत, हसमुख गहलोत ने 51 फीट ऊंची श्री विठ्ठल मूर्ति को पुष्पहार अर्पित कर दर्शन किए। इसके पश्चात भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता की उपस्थिति में श्री विठ्ठल की भव्य महाआरती संपन्न हुई। इस अवसर पर सभापति प्रशांत दल्वी, मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे, नगरसेवक अनिल भोसले, नगरसेवक तुषार पारधी, नगरसेविका श्रीमती ज्योत्स्ना हसनाले, नगरसेविका श्रीमती यशोदा अनिल ताटे, तथा नगरसेविका श्रीमती मयूरी सचिन म्हात्रे सहित बड़ी संख्या में नगरसेवक तथा नगरसेविकाएं पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। हरिनामह्न के जयघोष से जरीमरी तालाब परिसर गूंज उठा। आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव से पूजा-अर्चना कर श्री विठ्ठल के दर्शन का लाभ लिया। पूरे परिसर में ह्यजय हरि विठ्ठलह्न के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

5 साल के बच्चे का प्राइवेट पार्ट जलाने का आरोप

पेशाब करने पर टीचर ने दी कथित सजा, शिकायत पर प्रिंसिपल ने भी धमकाया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के अकथा स्थित एक निजी प्ले स्कूल में नर्सरी के छात्र के साथ कथित तौर पर हैरान करने वाली घटना सामने आई है। पांच वर्षीय बच्चे के परिजनों ने स्कूल की शिक्षिका पर प्राइवेट पार्ट जलाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बच्चे ने बाथरूम जाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन मना कर दिया गया। बाद में पैंट में पेशाब हो जाने पर शिक्षिका ने उसे कथित रूप से गर्म धारदार वस्तु से दाग दिया। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। पुलिस ने बच्चे का मेडिकल परीक्षण कराकर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित बच्चे के पिता केशरी जायसवाल ने बताया कि उनका बेटा अस्तित्व जायसवाल अकथा स्थित सेरेन सोनी प्ले स्कूल में नर्सरी का छात्र है। गुरुवार को स्कूल से घर लौटने के बाद वह लगातार दर्द की शिकायत कर रहा था। जब उसकी मां ने जांच की तो प्राइवेट पार्ट पर छाले जैसा निशान दिखाई दिया। पूछने पर बच्चे ने बताया कि उसकी क्लास टीचर प्रीति कुशवाह ने उसे चोट पहुंचाई है।

बाथरूम जाने नहीं दिया, पैंट में पेशाब होने पर दी सजाः परिजनों के अनुसार बच्चे ने बताया कि उसे स्कूल में पेशाब लगी थी। उसने शिक्षिका से बाथरूम जाने की अनुमति मांगी, लेकिन अनुमति नहीं मिली। कुछ देर बाद उससे पैंट में ही पेशाब हो गया। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर शिक्षिका उसे दूसरे कमरे में ले गईं और गैस पर गर्म की गई किसी धारदार वस्तु से उसके प्राइवेट पार्ट को दाग दिया। बच्चे ने यह भी बताया कि उसे दोबारा ऐसा करने पर और गंभीर सजा देने की धमकी दी गई।

शिकायत करने पर सहयोग नहीं मिलाः बच्चे के पिता का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद उनकी पत्नी ने स्कूल की प्रिंसिपल हेमलता सिंह से फोन पर संपर्क किया, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। शुक्रवार सुबह जब पूरा परिवार स्कूल पहुंचा और प्रिंसिपल व प्रबंधन से बातचीत की, तब भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला। परिजनों का आरोप है कि उन्हें उल्टा धमकाते हुए कहा गया कि 'जो करना है कर लो।'

डरा हुआ है बच्चा, स्कूल जाने से कर रहा इनकारः घटना के बाद बच्चा मानसिक रूप से सहमा हुआ है। परिजनों का कहना है कि वह दोबारा स्कूल जाने को तैयार नहीं है। इसके बाद उन्होंने लालपुर-पांडेयपुर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस बोली- मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाईः लालपुर-पांडेयपुर थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर प्राप्त हो गई है। बच्चे को मेडिकल परीक्षण के लिए दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि यदि आरोप सही पाए गए तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, दो गिरफ्तार

◆ सर्राफा व्यापारी लूटकांड का खुलासा

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र में सराफा व्यापारी से हुई लूट की वारदात का सोनभद्र पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए पुलिस मुठभेड़ के बाद दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, लूट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और नगदी बरामद की है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 18 जुलाई को बभनी थाना क्षेत्र के शीशटोला जंगल में सराफा व्यापारी कुलधीर कुमार से चाकू के बल पर सोने-चांदी के आभूषण और करीब ?40 हजार नकद लूट लिया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई थी।

शनिवार तड़के बभनी और म्योरपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने शीशटोला जंगल में चेकिंग के दौरान दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने भागने के दौरान पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस

की जवाबी कार्रवाई में रमेश साकेत निवासी सिंगरौली (मध्य प्रदेश) के पैर में गोली लग गई, जबकि उसका साथी मनोज साकेत को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से .315 बोर का अवैध तमंचा, कारतूस, खोखा, लूट में प्रयुक्त पैशन प्रो मोटरसाइकिल और ?12,200 नकद बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए फरार साथियों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश में लूट, डकैती, चोरी, हत्या, आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक बभनी दिन्नू प्रसाद यादव, थानाध्यक्ष म्योरपुर संतोष कुमार सिंह सहित संयुक्त पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना करते हुए शेष आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं।

वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर सपा ने दी श्रद्धांजलि

◆ सामाजिक न्याय के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शनिवार को समाजवादी पार्टी जौनपुर द्वारा पूर्व सांसद एवं वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि जिला कार्यालय, सदर चुंगी (अल्फस्टीनगंज) में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की।

इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वीरांगना फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय और शोषित-वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए किए गए योगदान को याद किया।

जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि फूलन देवी ने समाज के कमजोर वर्गों की आवाज बुलंद करने का कार्य किया। उनका संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों पर चलते हुए सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

कार्यक्रम को विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व मंत्री संगीता यादव, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह सहित कई वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में समाजवादी पार्टी के आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र के वयोवृद्ध विधायक आलमबदी आजमी के निधन तथा नीट पेपर लीक प्रकरण से जुड़े 22 छात्र-छात्राओं के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल ने किया। जानकारी जिला महासचिव आरिफ हबीब ने दी।

शादी का झांसा देकर युवती से धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

बदलापुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बटाऊबीर चौराहे से दबोचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार थाना बदलापुर में दर्ज मुकदमा संख्या 298/2026, धारा 69 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के मामले में वांछित आरोपी भीमप्रकाश पुत्र मोतीलाल, निवासी ग्राम छिटकापुर, थाना बदलापुर को मुखबिर की सूचना पर बटाऊबीर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अक्षय कुमार तथा कांस्टेबल राजन यादव शामिल रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत, पहचान में जुटी पुलिस

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-लखनऊ रेल प्रखंड पर सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के साढ़ापुर गांव स्थित अंडरपास के पास शनिवार तड़के एक अज्ञात युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवा दिया। सिंगरामऊ थाना के उपनिरीक्षक तारकेश्वरनाथ दुबे ने बताया कि स्टेशन मास्टर से सूचना प्राप्त होने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां करीब 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव रेलवे ट्रैक के किनारे क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। शव की स्थिति अत्यधिक खराब होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आसपास के गांवों में युवक की पहचान कराने के लिए सूचना भेजी है। साथ ही शव को मोर्चरी हाउस में सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार कमीशन के जिला सचिव मोहम्मद असलम खाँन ने स्टेशन रोड तत्काल बनवाने की किया मांग

जन प्रतिनिधि हैं मस्त, जनता है पस्त, एक नजर इधर भी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आखिर कब टूटेगी स्थानीय जन प्रतिनिधियों की चिरनिद्रा केराकत नये चौराहे से होते हुये केराकत रेलवे स्टेशन को जानें वाली सड़क पर जगह-जगह भारी गड्ढे होने के साथ गिट्टियाँ पीच से उखड़ जानें के कारण आम राहगीरों का पैदल चलना काफी दुर्गम राह बन गयी है ! ज्ञात हो कि प्रतिदिन सवारी और एक्सप्रेस ट्रेनों से यात्रा करने हेतु हजारों की संख्या में पैसेंजरों के आवाजाही के साथ सरकारी अस्पताल, स्टेट बैंक, और विद्यालय जाने वाले लोगों समेत ग्रामीण अंचल के लोगों का

प्रतिदिन उसी रास्ते से आवागमन होता रहता है ! लम्बे समय से दुर्गम बन चूकी उक्त सड़क के सम्बन्ध में क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा ध्यान दिलाये जाने के बाद भी जिम्मेदार जनप्रतिनिधि कुम्भ कर्ण की नीद सो रहे हैं ! यह सड़क बरसात के मौसम में जगह - जगह गढ्डा होने के कारण उसमें पानी रुक जाने से आये दिन लोगों द्वारा उसमें गिरते रहते हैं ! जिससे यह समस्या और गंभीर हो गयी है ! राष्ट्रीय मानवाधिकार कमीशन जौनपुर उत्तर प्रदेश के जिला सचिन मोहम्मद असलम खाँन नें जन प्रतिनिधियों और जिम्मेदार लोगों से जल्द से जल्द इस रोड को बनवाने की माँग किया है ! ताकि लोगों को इस परेशानी से मुक्ति मिल सके ! श्री खान ने कहा की यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मैं मुख्यमंत्री को लिखूगां पत्र।

दिमागी बुखार को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बारिश के मौसम में दिमागी बुखार (जेई/एईएस) के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जनपदवासियों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने लोगों से साफ-सफाई बनाए रखने, जलभराव रोकने और मच्छरों से बचाव के सभी उपाय अपनाने की सलाह दी है।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि दिमागी बुखार मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलने वाला वायरस जनित संक्रामक रोग है। यह वायरस मुख्य रूप से शूकरों और जंगली पक्षियों में पाया जाता है, जहां से संक्रमित मच्छरों के माध्यम से इंसानों तक पहुंचता है। जलभराव और गंदगी वाले क्षेत्रों में इस बीमारी का खतरा अधिक रहता है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 में जौनपुर में दिमागी बुखार के दो मामले सामने आए थे, जबकि वर्ष 2026 में अब तक कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। बावजूद इसके, मानसून के दौरान बीमारी के फैलने की आशंका को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

नोडल अधिकारी डॉ. आलोक सिंह ने बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, बेहोशी, शरीर में झटके, मानसिक भ्रम, बोलने में कठिनाई, मुंह से झाग आना तथा गंभीर स्थिति में कोमा या लकवा जैसे लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए नजदीकी सरकारी अस्पताल में इलाज कराना चाहिए।

जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव ने लोगों से घर और आसपास की साफ-सफाई बनाए रखने, जलभराव समाप्त करने, झाड़ियों की नियमित सफाई कराने, मच्छरदानी का उपयोग करने, पूरी बांह के कपड़े पहनने तथा बच्चों का समय पर जेई टीकाकरण कराने की अपील की। उन्होंने झोलाछाप डॉक्टरों और झाड़-फूंक के बजाय सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की सलाह दी।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के संचारी दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य, नगर विकास, पंचायती राज और पशुपालन विभाग संयुक्त रूप से सफाई, मच्छर नियंत्रण, जनजागरूकता और टीकाकरण अभियान चला रहे हैं, ताकि दिमागी बुखार जैसी गंभीर बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

पीयू दीक्षांत की तैयारियों का कुलपति ने लिया जायजा

83 मेधावियों को 84 पदक, 339 शोधार्थियों को पीएचडी एवं एक को मिलेगी डीएससी की उपाधि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह स्थल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं, ताकि विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह गरिमा, अनुशासन और भव्यता के साथ संपन्न हो।

निरीक्षण के दौरान कुलपति ने महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन सहित समारोह से जुड़े विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने अतिथियों के स्वागत, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता, मंच संचालन, यातायात तथा अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए विद्यालय के विद्यार्थियों से भी उन्होंने आत्मीय संवाद किया और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि वितरण का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की वर्षों की कठिन साधना, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का गौरवपूर्ण उत्सव है। उन्होंने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल एवं संस्कारों का उपयोग समाज, राष्ट्र और मानवता के कल्याण के लिए करें। उन्होंने यह भी बताया कि समारोह में उपस्थित होने वाले प्राथमिक विद्यालय के बच्चों से भी संवाद कर उन्हें उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय का 30वां दीक्षांत समारोह 27 जुलाई (सोमवार) को महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल गौरव गौतम (अति विशिष्ट सेवा मेडल), अपर महानिदेशक, एन.सी.सी. (उत्तर प्रदेश) उपस्थित रहेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय अतिविशिष्ट अतिथि तथा राज्य मंत्री (उच्च शिक्षा) श्रीमती रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की गरिमा बढ़ाएंगी। दीक्षांत समारोह में 83 मेधावी विद्यार्थियों को 84 पदक प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही 339 शोधार्थियों को पीएचडी तथा एक शोधार्थी को डीएससी (डॉक्टर ऑफ साइंस) की उपाधि प्रदान की जाएगी।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास 26 जुलाई को अपराह्न 12:30 बजे महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में आयोजित होगा। पूर्वाभ्यास एवं मुख्य समारोह में प्रवेश केवल परिचय-पत्र के आधार पर दिया जाएगा। समारोह स्थल पर पेन, बैग, कैमरा, मोबाइल फोन, अस्त्र-शस्त्र एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

उन्होंने बताया कि समारोह में भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। छात्राओं के लिए सफेद सलवार, सफेद दुपट्टा एवं हल्के रंग का कुर्ता अथवा हल्के रंग की साड़ी, जबकि छात्रों के लिए सफेद अथवा हल्के रंग की पूरी बांह की शर्ट एवं पैंट अनिवार्य होगी। जींस एवं टी-शर्ट पहनकर समारोह में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

नीट-यूजी विवाद की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं और उसके बाद देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंपने के साथ ही इसकी जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा की।

अपने त्यागपत्र में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले चार दशकों से वे छात्रों, शिक्षकों और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं। उन्होंने लिखा कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में शिकायतें सामने आते ही केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी, परीक्षा रद्द कर 21 जून को दोबारा परीक्षा कराई और अगले वर्ष से नीट को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) करने का निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि 20 लाख से अधिक छात्रों की निष्पक्ष परीक्षा कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही। 16 जुलाई को घोषित परिणामों में बड़ी संख्या में मेधावी और वंचित वर्ग के छात्रों को सफलता मिली, लेकिन हाल के दिनों की घटनाओं ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते कि देश के युवाओं का भविष्य राजनीतिक टकराव या कानूनी विवादों में उलझे, इसलिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा देने का निर्णय लिया। अपने पत्र के अंत में धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंत्रिपरिषद, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आगे भी देश, ओडिशा की जनता और युवाओं की सेवा के लिए समर्पित रहेंगे।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब नीट-यूजी 2026 को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन और जवाबदेही की मांग तेज थी। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि केंद्र सरकार शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी किसे सौंपती है और नीट-2027 के लिए प्रस्तावित कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को किस प्रकार लागू किया जाता है।

'माँ-बेटी संवाद' से सशक्त हुई स्वास्थ्य जागरूकता

मेडिकल कालेज जौनपुर में "कलर्स ऑफ पेशेंट सेफ्टी" कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

फामाकोविजिलेंस के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के फामाकोलॉजी विभाग द्वारा रोगी सुरक्षा एवं औषधि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से "कलर्स ऑफ पेशेंट सेफ्टी" कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा छात्रों एवं स्वास्थ्यकर्मियों में फामाकोविजिलेंस (औषधि निगरानी), प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग तथा सुरक्षित औषधि उपयोग के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0 बी0 कमल के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, रोगी सुरक्षा आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। फामाकोविजिलेंस के माध्यम से औषधियों से संबंधित प्रतिकूल प्रभावों की समय पर पहचान एवं रिपोर्टिंग संभव होती है, जिससे उपचार की गुणवत्ता एवं रोगी सुरक्षा में सुधार होता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम चिकित्सा छात्रों में सुरक्षित एवं तर्कसंगत औषधि उपयोग की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने फामाकोलॉजी विभाग द्वारा इस प्रकार के शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी।

इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रो0 (डा0) रुचिरा सेठी एवं डीन एकेडमिक प्रो0 (डा0) तबस्सुम यासमिन ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि रोगी सुरक्षा से जुड़े इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सुरक्षित चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

फामाकोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पलाश रत्ना ने फामाकोविजिलेंस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की समय पर पहचान एवं रिपोर्टिंग अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण फामाकोविजिलेंस एवं रोगी सुरक्षा विषय पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता रही। चिकित्सा छात्रों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से औषधि सुरक्षा, प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग, तर्कसंगत औषधि उपयोग, रोगी-केंद्रित चिकित्सा एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रंगोली के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा फामाकोलॉजी से संबंधित विभिन्न विषयों पर शैक्षणिक मॉडल भी प्रदर्शित किए गए, जिनके माध्यम से औषधियों की कार्यप्रणाली, औषधि सुरक्षा, फामाकोविजिलेंस तथा आधुनिक औषधीय अवधारणाओं को सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रस्तुत किया गया। इन मॉडलों ने उपस्थित संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम की आयोजन सचिव डा0 स्तुति सिंह ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में रोगी सुरक्षा की संस्कृति विकसित करने तथा फामाकोविजिलेंस के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीनियर रेजिडेंट *डॉ. विशेष कुमार एवं डा0 अवनीश कुमार* का विशेष सहयोग एवं सक्रिय योगदान रहा। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के संकाय सदस्यों, आयोजन समिति, स्वयं सेवकों एवं प्रतिभागी छात्रों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक-प्रो0 साधना अजय, डा0 अरविन्द पटेल, डा0 विनोद वर्मा, डा0 अचल सिंह, डा0 आशुतोष सिंह, डा0 जितेद्र कुमार, डा0 आदर्श यादव, डा0 मुदित चौहान, डा0 रोहित सरोज, डा0 बृजेश, डा0 श्वेता सिंह, मिथिलेश सिंह, डा0 दिपीका साव, डा0 पंकज, डा0 अबुसहमा खान, डा0 अवधेश गुप्ता, डा0 फरहत फातिमा एवं एम0बी0बी0एस0 छात्र-छात्राएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

पीयू में छात्राओं एवं माताओं को विशेषज्ञों ने दिए स्वास्थ्य परामर्श

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के विद्युत अभियंत्रण विभाग में कुलपति प्रो. वंदना सिंह के नेतृत्व में 'माँ-बेटी कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं उनकी माताओं को महिला स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य तथा गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान एवं रोकथाम के प्रति जागरूक करना था।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत 21 जुलाई को 91 छात्राओं का रक्त परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया था। इसी क्रम में आयोजित इस कार्यक्रम में राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सरिता पाण्डेय एवं जनरल फिजिशियन डॉ. पूजा पाठक ने विशेषज्ञ के रूप में छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें महिला शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, संतुलित पोषण, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान एवं समय पर उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित जीवनशैली तथा जागरूकता को स्वस्थ जीवन का आधार बताया।

विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य परीक्षण के निष्कर्षों के आधार पर छात्राओं को

व्यक्तिगत परामर्श भी प्रदान किया तथा मातृ स्वास्थ्य और किशोरियों के समग्र स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं एवं उनकी माताओं ने महिला स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के तकनीकी समन्वय का दायित्व डॉ. सत्यम उपाध्याय ने निभाया, जबकि संचालन विद्युत अभियंत्रण विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने किया। उन्होंने कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच, सही परामर्श और जागरूकता के माध्यम से अनेक गंभीर बीमारियों की रोकथाम संभव है। विश्वविद्यालय छात्राओं के समग्र विकास एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करता रहेगा।

इस अवसर पर आयोजन समिति की सदस्य डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. प्रियंका, डॉ. राधिका उरमालिया, डॉ. ऋचा सिंह, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. कृष्णा सिंह एवं डॉ. साक्षी सिंह सहित अन्य शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की छात्राएँ एवं उनकी माताएँ गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन भी जुड़ीं और विशेषज्ञों के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परामर्श का लाभ प्राप्त किया।

मोहम्मद हसन कॉलेज की जीनत और अफीफा को मिलेगा राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर की दो होनहार छात्राओं ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय सहित पूरे जनपद में खुशी का माहौल है। उर्दू विभाग की छात्रा जीनत कौसर, पुत्री जमशेद अहमद ने 1900 में 1581 अंक प्राप्त कर 83.02 प्रतिशत के साथ पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंग्रेजी विभाग की छात्रा अफीफा खातून, पुत्री अयाज अहमद ने 1900 में 1414 अंक प्राप्त कर 74.40 प्रतिशत के साथ अपने विषय में विश्वविद्यालय टॉप किया। दोनों छात्राओं को उनकी शानदार शैक्षणिक उपलब्धि के लिए 27 जुलाई को आयोजित होने वाले 30वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के हाथों स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। छात्राओं की सफलता पर मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज परिसर में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि जीनत और अफीफा की सफलता बेटियों की प्रतिभा, मेहनत और आत्मविश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पूरे महाविद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय है और अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

बकरा खरीदने के बहाने बुलाकर युवक से 23 हजार की लूट, मारपीट कर जान से मारने की दी धमकी

जितेन्द्र कनोजिया केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जिले के केराकत तहसील क्षेत्र में बकरा खरीदने के बहाने एक व्यक्ति को बुलाकर उससे ?23 हजार लूट लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने चंदवक थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, केराकत थाना क्षेत्र के सराय बीरू गांव निवासी इकराम हाशमी पुत्र अब्दुल गनी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क कर बकरा खरीदने की बात कही। बाद में उसी व्यक्ति ने बताया कि उसके पास बकरा उपलब्ध है और उसे लेने के लिए चंदवक क्षेत्र में बीरीबारी हॉस्पिटल के पास एक स्थान पर बुलाया। पीड़ित के अनुसार, जब वह बताए गए स्थान पर पहुंचे तो वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें बकरा दिखाने के बहाने पास के एक खेत में ले गए। खेत में पहुंचने पर आरोपियों ने कहा कि बकरा यहीं है और उसे लेकर आते हैं। इसी दौरान तीन से चार अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और इकराम हाशमी के साथ मारपीट ,शुरू कर दी। आरोप है कि मारपीट के बाद हमलावरों ने हथियार के बल पर उनकी जेब में रखे 23 हजार छीन लिए तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने चंदवक थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी और आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई तथा लूटी गई रकम बरामद करने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने की जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने शनिवार को वाराणसी स्थित प्रधानमंत्री जनसंपर्क कार्यालय में जनसुनवाई कर आम लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंचे। मंत्री ने एक-एक कर सभी की बातें गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मामलों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान वाराणसी कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक सौरभश्रीवास्तव भी मौजूद रहे। उन्होंने भी लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समाधान सुनिश्चित कराने की बात कही। जनसुनवाई में भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सड़क, जलापूर्ति, विद्युत, पेंशन, आवास, चिकित्सा, नगर निगम तथा अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निस्तारण किया जाए तथा किसी भी पात्र व्यक्ति को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

एज-एआई से करियर की नई राह तलाशें छात्र : प्रो. राणा

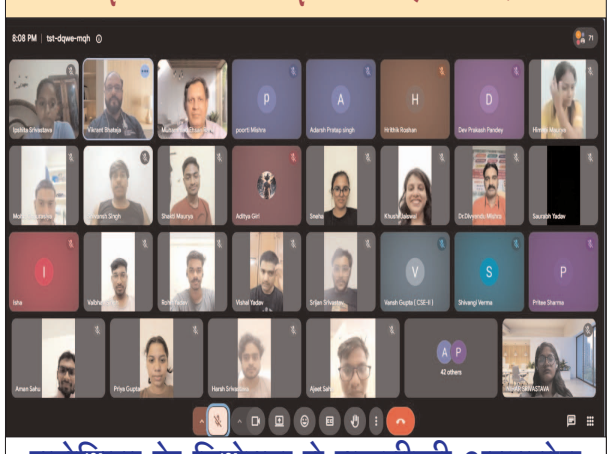

मलेशिया के विशेषज्ञ ने तकनीकी अनुप्रयोग और केस स्टडी से कराया परिचय

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दीक्षोत्सव-2026 के तहत आईईईई स्टूडेंट ब्रांच की ओर से आयोजित एआई मेड ईजी कार्यशाला में छात्रों को एज-एआई की तकनीक और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों की जानकारी दी गई। एशिया पैसिफिक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, मलेशिया के प्रो. डॉ. मोहम्मद एहसान राणा ने छात्रों को तकनीक के क्षेत्र में उभरती संभावनाओं के साथ करियर के नए अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। प्रो. राणा ने एज-एआई के तकनीकी पहलुओं के साथ इसके विभिन्न अनुप्रयोगों और केस स्टडी पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से विस्तार के दौर में छात्रों को नई तकनीकों की समझ विकसित करने के साथ अपने कौशल को भी लगातार अपडेट करना चाहिए। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई के नवीन विकास से परिचित कराकर भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना रहा।कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय और एशिया पैसिफिक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन के बीच हुए एमओयू के तहत किया गया। कुलपति के मार्गदर्शन और राजभवन के निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय में एआई जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल और कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में आईईईई ब्रांच काउंसलर डॉ. दिव्येंदु मिश्र ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डॉ. विक्रांत भटेजा ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. दिलीप यादव ने एआई के महत्व पर विचार रखे। संचालन इप्सिता श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिव्येंदु कुमार मिश्र ने किया। इस दौरान आईईईई स्टूडेंट ब्रांच के चेयर सृजन श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

इंडियनऑयल ने 10 किलोग्राम और 5 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों के लिए एक्सप्रेस डिलीवरी सेवा शुरू की

मुंबई। इंडियनऑयल के चेयरमैन ए. एस. साहनी ने आज इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाउ ((Indane XTRALITE NOW) का शुभारंभ किया। यह एक अभिनव 10 किलोग्राम कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर है, जिसे एक्सप्रेस डिलीवरी सेवा के साथ पेश किया गया है। इस अवसर पर सौमित्र पी. श्रीवास्तव, निदेशक (मार्केटिंग) तथा निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आधुनिक परिवारों की बदलती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाउ हल्के, जंग-रहित कंपोजिट सिलेंडर प्रौद्योगिकी और डिजिटल रूप से सक्षम सेवा प्रणाली का संयोजन है, जो ग्राहकों को अधिक सुविधा, सुरक्षा और पारदर्शिता प्रदान करता है। इस सिलेंडर का पारदर्शी बॉडी डिजाइन ग्राहकों को आसानी से एलपीजी का स्तर देखने की सुविधा देता है। इसके साथ बुकिंग

के चार घंटे के भीतर एक्सप्रेस डिलीवरी, पसंदीदा समय पर डिलीवरी तथा न्यूनतम दस्तावेजीकरण जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर इंडियनऑयल के चेयरमैन ने लोकप्रिय 5 किलोग्राम छोटू (Chhotu) सिलेंडर के लिए भी एक्सप्रेस होम डिलीवरी सेवा की शुरूआत की। अब इस सिलेंडर की भी बुकिंग के चार घंटे के भीतर डिलीवरी की जाएगी। यह पहल शहरी परिवारों, पेशेवरों और छोटे परिवारों की आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक लचीले और सुविधाजनक एलपीजी समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में इंडियनऑयल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। इस अवसर पर इंडियनऑयल के चेयरमैन ए.एस. साहनी ने कहा, नवाचार तभी सार्थक होता है, जब वह हमारे ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाए। इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाउ उन्नत कंपोजिट सिलेंडर प्रौद्योगिकी और सहज एवं उन्नत सेवा मॉडल का संयोजन है, जो ग्राहकों को अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और सुविधाजनक एलपीजी अनुभव प्रदान करता है। यह लॉन्च भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने और ग्राहक सेवा में नए मानक स्थापित करने की इंडियनऑयल की प्रतिबद्धता को दोहराता है। इंडियनऑयल के निदेशक (मार्केटिंग) सौमित्र पी. श्रीवास्तव ने कहा, आज के उपभोक्ता तेज सेवा, सुविधा और निर्बाध अनुभव की अपेक्षा रखते हैं। इंडेन एक्स्ट्रालाइट नाउ नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी और तेज एवं विश्वसनीय डिलीवरी को एक साथ लाकर इंडियनऑयल के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह घरेलू एलपीजी अनुभव को नए स्तर पर ले जाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

आईआईएफएल फाइनेंस की गोल्ड लोन शाखाओं की संख्या 3000 के पार

पटना। आईआईएफएल फाइनेंस ने घोषणा की है कि उसके समर्पित गोल्ड लोन कारोबार की शाखाओं की संख्या देशभर में 3,000 के पार पहुंच गई है। कंपनी के अनुसार, इससे लाखों ग्राहकों को समय पर, पारदर्शी और किफायती ऋण उपलब्ध कराने की उसकी क्षमता और मजबूत होगी।

कंपनी ने बताया कि यह विस्तार छोटे उद्यमियों, व्यापारियों, किसानों, कारीगरों, स्वरोजगार करने वाले पेशेवरों और उन परिवारों तक औपचारिक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिनकी संस्थागत ऋण तक पहुंच सीमित रही है। गोल्ड लोन कारोबार अब कंपनी के सुरक्षित ऋण पोर्टफोलियो का सबसे बड़ा हिस्सा बन गया है। आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन प्रमुख मयंक शर्मा ने कहा कि 3,000 समर्पित गोल्ड लोन शाखाओं का आंकड़ा पार करना केवल नेटवर्क विस्तार नहीं, बल्कि देशभर में उद्यमियों, किसानों, व्यापारियों और स्वरोजगार करने वाले लोगों तक समय पर संस्थागत ऋण पहुंचाने की कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आईपीएस कृष्णकांत उपाध्याय से प्रभाकर शुक्ल ने की सदीक्षा भेंट

मुंबई। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामलीला उत्सव समिति, विक्रोली पार्कसाइट के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल 'रिंकू' ने शुक्रवार को मुंबई पुलिस के एडिशनल कमिश्नर (क्राइम ब्रांच) आईपीएस कृष्णकांत उपाध्याय से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट कर हाल ही में हुए पदोन्नयन पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर प्रभाकर शुक्ल ने श्री उपाध्याय का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं 'संकल्प' पत्रिका भेंट कर सम्मान किया। दोनों जन के बीच विभिन्न सामाजिक एवं जनहित से जुड़े विषयों पर आत्मीय चर्चा भी हुई।गौरतलब है कि मुंबई पुलिस के क्राइम ब्रांच के एडिशनल कमिश्नर का पद अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील माना जाता है। प्रेस विज्ञप्ति को पत्रकार आदेश मिश्र ने बताया कि इस जिम्मेदारी पर केवल अनुभवी, कार्यकुशल एवं उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता वाले अधिकारियों की ही नियुक्ति की जाती है। कृष्णकांत उपाध्याय की इस महत्वपूर्ण पद पर पदोन्नति को पुलिस विभाग की एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर रेलवे विजिलेंस एवं सीबीआई अधिकारी रामसकल मिश्र तथा पत्रकार अविनाश पांडे भी उपस्थित रहे।

सुमतपुर निवासी लालजी पाण्डे का निधन

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद प्रतापगढ विकास खंड पट्टी, गांव सुमतपुर निवासी लालजी पाण्डेय की दुखद निधन दिनांक 24 जूलाई 2026 शुक्रवार रात 11बजे लम्बी बिमारी के कारण अपने निजी निवास स्थान पर अंतिम सांस ली। वे 80 वर्ष की कठीन पड़ाव पार कर चुके थे। लालजी पाण्डेय एक सरल व सादगी विचार के व्यक्ति थे। उनके निधन का समाचार बिजली की तरह चारों तरफ फैल गई। बता दें जैसे ही शनिवार प्रातः जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज पोस्ट मधुपुर ग्राम रोहियांव में खबर मिलते ही पुरा गांव शोक में डूब गया। लाल जी पाण्डे दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के फूफा है। रोहियांव में खबर सुनते ही रामलख मिश्रा, विजय चंद मिश्रा (रिंकू), आशू मिश्रा, प्रिंश मिश्रा सहित कई लोगों ने सुमत पूर पहुंच

कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तत्पश्चात उनके परिवार वालों ने प्रयागराज के झूंसी घाट पर उनके पुत्र संजय पांडे ने मुख अग्नि देकर अंतिम संस्कार किया। अपने पिछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वहीं पिपरी से उर्मिला देवी मिश्रा, गौरा रामापुर से उषा देवी दूबे, मोहनी मिश्रा ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है। आस्ट्रेलिया से राज पाण्डेय तथा मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , उमाशंकर मिश्र , फूल चंद मिश्रा, रमापति मिश्रा, सभापति मिश्रा, जयदेवी शेषराज तिवारी, आशादेवी रूद्रप्रसाद द्विवेदी, विनय कुमार मिश्रा, पत्रकार अवधेश मिश्रा (रिक्की) सहित कई लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर निज आत्मा को सांची शांति आप दें।और परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पंवरा स्थित धर्मा देवी महाविद्यालय में 60 छात्राओं को सौंपा गया टैबलेट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को पवारा बाजार स्थित धर्मा देवी महाविद्यालय में सरकार की योजना के अंतर्गत 60 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए गए। टैबलेट पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस शुभ अवसर पर प्रबंधक राजेश तिवारी ने कहा कि इससे छात्र छात्रों को पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और आनलाइन अध्ययन में काफी सुविधा मिलेगी , तथा वर्तमान समय में डिजिटल शिक्षा की महत्ता लगातार बढ़ रही है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे टैबलेट विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन और तकनीकी दक्षता को नई दिशा देंगे। प्राचार्य श्रीमती डॉ चंद्रा वर्मा ने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से छात्र-छात्राएं अब गुणवत्तापूर्ण

अध्ययन सामग्री तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इस मौके पर नोडल अधिकारी डॉ श्रीमती पूर्णिमा पांडेय, डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ.लवकुश गुप्ता , डॉ कुवँर प्रदीप यादव, श्रीमती अम्ब्रीन लारी, शशांक वर्मा, वरुण त्रिपाठी, हरेंद्र गुप्ता, मनोज चौरसिया, अखिलेश तिवारी, श्रीमती आरती विष्णु कांत मिश्रा सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व छात्र छात्राएं तथा कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार विष्णु कांत मिश्रा ने दी है।

प्रदेश महिला मोर्चा की नवनियुक्त पदाधिकारियों का विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किया सम्मान

वसई । भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा महाराष्ट्र की नवनियुक्त पदाधिकारियों का वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपने विधायक पब्लिक रिलेशन्स कार्यालय, वसई पश्चिम में शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सम्मानित होने वाली पदाधिकारियों में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती कंचन झा, प्रदेश सचिव श्रीमती राजल नाइक, श्रीमती तृप्ति मलामी तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती संध्या दुबे शामिल रहीं। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि महिला मोर्चा की ये नई टीम संगठन को और अधिक मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं के

सशक्तिकरण और जनसेवा के कार्यों को नई गति देगी।

इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार सिटी डिस्ट्रिक्ट के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, माइनॉरिटी फ्रंट के जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलासो, जिला सचिव प्रवीण गावड़े, वसई ईस्ट साउथ मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, पूर्व नगरसेवक छोटू आनंद, वसई ईस्ट साउथ मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती हर्षला गावड़े सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देने और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

एन.के.ई.एस. स्कूल की अनोखी वारी से संस्कृति और सामाजिक जागरूकता का संदेश

मुंबई, वडाला। वडाला स्थित एन.के.ई.एस. स्कूल द्वारा शुक्रवार, 24 जुलाई को विद्यार्थियों के लिए पारंपरिक वारी का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, वारकरी परंपरा और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना था। वारी का शुभारंभ स्कूल परिसर से हुआ। सभी विद्यार्थियों ने विठ्ठल भगवान के भजन गाते हुए वडाला स्थित प्रति पंढरपुर विठ्ठल मंदिर तक पदयात्रा की और भगवान विठ्ठल के दर्शन किए। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती नितिना शुक्ला, पर्यवेक्षक श्री प्रकाशचंद्र बंगेरा, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

वारी के दौरान विद्यार्थियों ने वारकरी संप्रदाय की पारंपरिक वेशभूषा धारण की। संगीत शिक्षक श्री सचिन मोरे के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विठ्ठल भजनों का

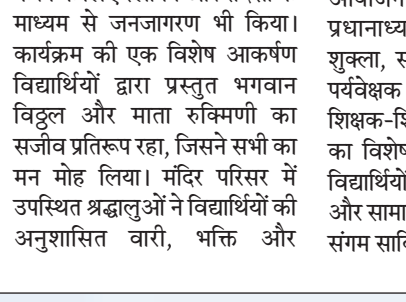

भावपूर्ण गायन किया। साथ ही, उन्होंने धूम्रपान और तंबाकूजन्य पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए स्लोगन और संदेशों के माध्यम से जनजागरण भी किया। कार्यक्रम की एक विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भगवान विठ्ठल और माता रुक्मिणी का सजीव प्रतिरूप रहा, जिसने सभी का मन मोह लिया। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने विद्यार्थियों की अनुशासित वारी, भक्ति और सामाजिक संदेश की सराहना की। प्रधानाध्यापिका श्रीमती नितिना शुक्ला की पहल पर आयोजित इस अभिनव कार्यक्रम की स्कूल प्रबंधन समिति ने भी प्रशंसा की। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति गर्व की भावना विकसित हुई, वहीं समाज में धूम्रपान और तंबाकूजन्य पदार्थों के सेवन के विरुद्ध जागरूकता का प्रभावी संदेश भी पहुंचाया गया। इस सफल आयोजन को साकार करने में प्रधानाध्यापिका श्रीमती नितिना शुक्ला, संगीत शिक्षक सचिन मोरे, पर्यवेक्षक प्रकाशचंद्र बंगेरा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा। यह वारी विद्यार्थियों के लिए भक्ति, संस्कृति और सामाजिक चेतना का प्रेरणादायी संगम साबित हुई।

व्यापारी समाज देश का गौरव, व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन सदैव संघर्षरत रहेगा: बनवारीलाल कंछल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, जौनपुर की विशेष बैठक नगर स्थित होटल पूर्वांचल में जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह 'इंदु' की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद बनवारीलाल कंछल रहे।

बैठक में जनपद की विभिन्न तहसीलों, नगरों, कस्बों एवं बाजार इकाइयों से पहुंचे व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों के व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। व्यापारियों ने बाजारों में मूलभूत सुविधाओं की कमी, सुरक्षा व्यवस्था, अतिक्रमण, यातायात समस्या, बिजली, साफ-सफाई, जिला पंचायत द्वारा बाजारों में मनमाने शुल्क वसूली, खाद्य विभाग की सैंपलिंग के नाम पर उत्पीड़न, जीएसटी रिटर्न सहित अन्य व्यापारिक समस्याओं से प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया। मुख्य अतिथि बनवारीलाल कंछल ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके सम्मान के लिए संगठन हमेशा संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ है और उसकी हर जायज समस्या के समाधान के लिए संगठन शासन एवं प्रशासन स्तर पर प्रभावी पहल करेगा। जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह 'इंदु' ने कहा कि व्यापारी समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर शाहगंज तहसील की प्रमुख बाजार पटैला के प्रतिष्ठित व्यवसायी विनोद सेठ को प्रांतीय मंत्री पद पर मनोनीत किया गया।

बैठक में प्रांतीय मंत्री शकील अहमद, जिला संगठन मंत्री अब्दुल हक अंसारी, विजय गुप्ता, अरुण कमलापुरी, जीवन लाल अग्रहरि, डॉ. नरसिंह, लल्लन प्रताप सिंह, इकराम अंसारी, पवन गुप्ता, शिवचंद यादव, मुकेश जायसवाल, भगौती यादव, अशोक निगम, मुनव्वर अली, संजीव साहू, गौरव मौर्य, राकेश मौर्य, आशीष जायसवाल, डब्बू अग्रवाल, विनोद सेठ, मदन लाल अग्रहरि, राशिद हाशमी, सरदार सुरेंद्र सिंह राजू, मनीष जायसवाल, इनाम हाशमी, अमीक अहमद अंसारी, बीरबल गुप्ता, जावेद हाशमी, रामावतार मौर्य, उदित सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल के जौनपुर आगमन पर जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह 'इंदु' ने बुके देकर स्वागत किया। वहीं नगर सीमा पर नगर अध्यक्ष घनश्याम साहू, महामंत्री आलोक रंजन सिन्हा, जिला कोषाध्यक्ष उमेशचंद गुप्त एवं त्रिलोचन इकाई अध्यक्ष आलोक वर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया।

श्रावण से पहले काशी में सुशासन की बड़ी परीक्षा, सड़क पर उतरे प्रभारी मंत्री

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रावण मास की शुरूआत से पहले काशी में प्रशासनिक तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए देश-विदेश से उमड़ने वाले लाखों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुविधा, सुरक्षा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित वाराणसी दौरे को लेकर शासन पूरी तरह सक्रिय दिखाई दिया। इसी क्रम में शनिवार को प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने पूरे दिन शहर में मैराथन दौरा कर विकास कार्यों, जनसुविधाओं, निर्माणाधीन परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी तथा अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक हर हाल में पहुंचना चाहिए।

दिन की शुरूआत प्रभारी मंत्री ने रामनगर पहुंचकर भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की। इसके बाद उन्होंने एक मलिन बस्ती तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप स्थित गलियों का पैदल निरीक्षण कर सड़क, पेयजल, जलनिकासी, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट और अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसुविधाओं से जुड़ी शिकायतों का स्थायी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद सिगरा स्थित महापौर अशोक कुमार तिवारी के आवास पर आयोजित भाजपा की कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में

प्रभारी मंत्री ने आगामी श्रावण मास, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 29 जुलाई को संत रविदास मंदिर (सीर गोवर्धन) में प्रस्तावित कार्यक्रम तथा शहर की प्रमुख विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गई। बैठक में वाराणसी के महत्वाकांक्षी गंगा एवं वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर तथा अमृत 2.0 के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी हों, ताकि काशी के बदलते स्वरूप का लाभ नागरिकों और श्रद्धालुओं दोनों को मिल सके। इसके उपरांत सर्किट हाउस में वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं, वित्तीय प्रगति और बजटीय कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास केवल सरकारी अभिलेखों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव आम नागरिक के जीवन में दिखाई देना चाहिए। संसदीय जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनते हुए प्रभारी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, संवेदनशील और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे प्रभावी माध्यम है और जनता के विश्वास को मजबूत करने का आधार भी। प्रभारी मंत्री ने इसके बाद संत रविदास जन्मस्थली पर निर्माणाधीन म्यूजियम एवं सभा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि परियोजना तय समय में पूरी हो, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। अपने दौरे के अंतिम चरण में प्रभारी मंत्री काशी विद्यापीठ विकास खंड पहुंचे, जहां आयोजित जनसंवाद एवं लाभार्थी वितरण कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने विभागीय स्टालों का निरीक्षण किया, गर्भवती महिला की गोद भराई और बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार कराया तथा वृक्षारोपण महायज्ञ के अंतर्गत पौधरोपण भी किया। इसके बाद विकास खंड एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर योजनाओं की प्रगति का आकलन किया।

हैंड ब्रेक फेल होने से गिट्टी लदा ट्रक खाई में पलटा, बड़ा हादसा टला

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के बादशाही मनेछा स्थित पेट्रोल पंप के सामने एक गिट्टी लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पार करते हुए खाई में पलट गया। बताया जा रहा है कि ट्रक का हैंड ब्रेक ठीक से नहीं लगा था, जिसके कारण वाहन स्वतः लुढ़कने लगा और यह हादसा हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय सड़क पर कोई राहगीर या अन्य वाहन मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हादसे में चालक पूरी तरह सुरक्षित है और किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। घटना ने एक बार फिर वाहन चालकों को सावधानी बरतने का संदेश दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार ढलान वाले स्थानों पर वाहन खड़ा करते समय केवल हैंड ब्रेक पर निर्भर न रहें, बल्कि पहिए को सुरक्षित करने समेत अन्य सावधानियां भी अपनानी चाहिए।

महान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली ने किया टीच का दौरा मूक-बधिर शिक्षा को आगे बढ़ाने का संकल्प

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के महान गेंदबाज और मूक-बधिरों के वैश्विक हितैषी ब्रेट ली ने मूक-बधिरों के शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान टीच का दौरा किया और मूक-बधिर छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करने, रोजगार दिलाने तथा आत्म-निर्भर बनाने के संस्थान के प्रयासों की प्रशंसा की। ब्रेट ली का यह दौरा उनके लिए निजी तौर पर महत्वपूर्ण था। 2011 में उनके बेटे प्रेसटन की एक दर्दनाक हादसे में गिरने से सर में चोट लगने की वजह से दांए कान के सुनने की शक्ति चली गयी थी। हालांकि आठ महीने में उनका बेटा ठीक हो गया, लेकिन इस घटना से ब्रेट ली गहराई से प्रभावित हुए और अगले कई वर्षों तक कॉक्लियर कंपनी के ग्लोबल ईयरिंग एम्बेसडर की भूमिका निभाते रहे तथा श्रवण शक्ति के लोप की तुरंत जांच कराने, नवजात बच्चों की श्रवण शक्ति की जांच कराने और बच्चों को कॉक्लियर श्रवण मशीन उपलब्ध कराने की पैरवी करते रहे। टीच के अत्याधुनिक प्रांगण का दौरा करने के साथ ही ब्रेट ली और उनकी पत्नी लाना ने संस्थापक अमन शर्मा और दीपेश नायर से मुलाकात की, जिन्होंने ब्रेट ली को वित्तीय प्रबंधन की नौकरी छोड़कर साइन लेंग्वेज सीखने, मूक-बधिरों को शिक्षण प्रदान करने और टीच की स्थापना करने की अपनी यात्रा के अनुभव सुनाए। ब्रेट ली ने टीच में शिक्षा पा रहे छात्रों से भी बातचीत की और उनके अनुभवों को जाना। उन्होंने संस्थान के उच्च शिक्षा प्रदान करने से लेकर नौकरी दिलाने की सतत प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। टीच जिस तरह छात्रों को बारहवीं और बीकॉम की डिग्री दिलाता है, साथ ही जिस तरह उन्हें एम.आई.एस, अकांउटिंग सॉफ्टवेयर, आई.टी. इत्यादि का प्रशिक्षण देता है, उसकी जानकारी प्राप्त की, जिनके आधार पर छात्रों को प्रतिष्ठित कॉरपोरेट संस्थानों में नौकरी के शानदार अवसर प्राप्त करने में मदद मिलती है।

टीच के सहसंस्थापक अमन शर्मा ने खुशी जताते हुए कहा कि ब्रेट ली का उनके संस्थान का दौरा करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि ब्रेट ली ने अपनी लगन, अनुशासन और खेल भावना से लाखों लोगों को प्रभावित किया है। हम टीच के प्रत्येक छात्र में वैसे ही मूल्यों को स्थापित करना चाहेंगे। एसवीपी इंडिया के चेयरपर्सन और बोर्ड मेंबर गोविंद अय्यर ने कहा कि जब मकसद, सहभागिता और जनसहयोग एक साथ मिलकर काम करते हैं तो वांछित सामाजिक बदलाव आता है। ब्रेट ली का टीच दौरा इस बात का संकेत है कि इस संस्थान को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलनी चाहिए।

ओरल कैंसर जागरूकता: दो मिनट की जांच आपकी ज़िंदगी बचा सकती है

मुंबई। भारत में दुनिया के लगभग एक-तिहाई ओरल कैंसर के मामले सामने आते हैं। ICMR के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च के अनुसार, हर साल लगभग 77,000 नए मामले दर्ज होते हैं और 52,000 से अधिक लोगों की मृत्यु इस बीमारी के कारण होती है। इसके बावजूद, अधिकांश लोग डेंटल क्लिनिक केवल दांत दर्द, कैविटी भरवाने या नियमित डेंटल क्लीनिंग के लिए ही जाते हैं। बहुत कम लोगों को यह एहसास होता है कि उसी छोटी-सी डेंटल चेक-अप के दौरान किसी गंभीर बीमारी का शुरूआती चरण में पता लगाया जा सकता है, जब उसका इलाज सबसे अधिक प्रभावी होता है। यही आंकड़े बताते हैं कि यह विषय हमारे देश के लिए कितना महत्वपूर्ण है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, ओरल कैंसर भारतीय पुरुषों में सबसे आम कैंसर है और पूरे देश में चौथा सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है। वहीं, विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि शहरों में लगभग 40% स्कूल छात्र और 70% कॉलेज छात्र नियमित रूप से गुटखा का सेवन करते हैं। यह स्थिति महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भी देखने को मिलती है, जहां वर्ष 2002 में प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद ऐसे उत्पाद आसानी से उपलब्ध हैं। चूंकि यह बीमारी कई वर्षों तक बिना किसी स्पष्ट लक्षण के विकसित हो सकती है, इसलिए भारत में अधिकांश मामलों का पता तब चलता है जब कैंसर काफी आगे बढ़ चुका होता है। इस विषय पर एका डेंटल केयर के को-फाउंडर और सीईओ सचिन कटिरा कहते हैं, ₹ओरल कैंसर की शुरूआती पहचान केवल तब नहीं होनी चाहिए जब मरीज दर्द महसूस करने लगे। यदि हर नियमित डेंटल चेक-अप में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग को शामिल किया जाए, तो समस्याओं का पता समय रहते लगाया जा सकता है, जब उनका इलाज आसान और प्रभावी होता है। यही सिद्धांत ओरल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के साथ-साथ एक साधारण कैविटी पर भी समान रूप से लागू होता है। यही वह कमी है जिसे नियमित ओरल कैंसर स्क्रीनिंग दूर कर सकती है।

इंदौर केशर बाग निवासी सुमित नरेन्द्र तिवारी के जन्मदिन पर बधाई देने वालों का लगा तांता

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के 21, केशर बाग चौकी निवासी समाजसेवी सुमित नरेन्द्र तिवारी का जन्मदिन 25 जूलाई 2026 दिन शनिवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया। उनके कार्यालय में सुबह से बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। सुमित नरेन्द्र तिवारी के जन्मदिन 25 जूलाई को यादगार बनाने के उद्देश्य से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा की उपस्थिति में उनके कार्यालय पर मनाया और जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पत्रकार, राजनीति से जूड़े राजनेताओं का जमावड़ा रहा और समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थित में केक काटा गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ सुमित नरेंद्र तिवारी को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुँह मीठा कराया। उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यो की भूरि-भूरि सराहना करते हुए पुष्प हारों से ढंक दिया। बता दें पूरे दिन बधाईयों का तांता लगा रहा, बड़े भाई अमित तिवारी, छोटे अनुज दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित तिवारी , जल कार्य एवं सीवरेज प्रभारी अभिषेक (बबलू)

शर्मा, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता वैभव शुक्ला, उद्योगपति विकास तिवारी, समाजसेवी संदीप गंगवाल, पार्षद प्रशांत बड़वे, पत्रकार विनोद पाठक, दिपेश पाण्डेय, सहित कई लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी । दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के परिवार के तरफ से संपादक ओमप्रकाश प्रजापति ने भी जन्मदिन की बहुत बहुत हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने बधाई देते हुए कहा कि मृग की कस्तुरी के सुगंध की भांति । सुमित तिवारी जी आप के किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले, आपके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। आप ब्राह्मण समाज के आधारस्तम्भ ही नही समाज के गौरव हैं, कर्णधार हैं उनकी एकता के मुख्य सूत्रधार है,समाज के लिए आपका योगदान अकथनीय है,आप एक बेहद ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व, मृदुभाषी और बेहद ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है, सरलता ही आपकी पहचान है, आपने समाज के लिए खुद को पूर्ण समर्पण कर दिया है आप केशर बाग चौकी के सभी समस्याओं को पूर्ण रूप से बिना किसी भेद भाव के हल करते हैं। समाज के सबसे लोकप्रिय व्यक्तियों में आप अग्रणी पंक्ति में आते है, सब के दुःख सुख में बराबर के सहभागी बनते है,बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के समाज की सेवा की है और करते भी रहेंगे, समाज सेवा के साथ साथ आप देश सेवा में भी अपना योगदान दे रहे है, आप हम सभी लोगो के प्रेरणाश्रोत है, प्रभु से प्रार्थना है की आप जीवन में ऐसे ही तरक्की करते रहे और नित्य नई ऊंचाइयों को छूते रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहें, खुश रहे, पुनः जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई।

अनवाया किन केयर ने भारत के वीरों को किया सम्मानित, 10 वर्ष पूरे होने पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीन नई सेवाएं लॉन्च कीं

मुंबई। दस वर्ष पहले, जब भारत का अधिकांश स्टार्टअप इकोसिस्टम फूड डिलीवरी और ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा था, तब प्रशांत रेड्डी ने एक अलग राह चुनी। उन्होंने भारत के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल को अपना उद्देश्य बनाया। आज वही पहल अनवाया किन केयर के रूप में विकसित हो चुकी है, जो देश के 38 शहरों में 1.5 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को सेवाएं प्रदान कर रही है। अब तक यह 80 लाख से अधिक घंटे की होम केयर सेवाएं दे चुकी है और 5,000 से अधिक मेडिकल इमरजेंसी का सफलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए 97% जीवन-रक्षा का रिकॉर्ड हासिल कर चुकी है। 24 जुलाई को अनवाया ने अपनी 10वीं वर्षगांठ केवल बीते सफर को याद करते हुए नहीं, बल्कि भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए मनाई। इस अवसर पर कंपनी ने तीन नई क्यूरापॉड, दर्द प्रबंधन के लिए पहनने योग्य डिवाइस; 3000 बीसी थेरेप्यूटिक्स की चिकित्सीय वेलनेस श्रृंखला सेवाओं की शुरूआत की, और पुण्यक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक सेवाओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म।जिनका उद्देश्य वरिष्ठ

नागरिकों के जीवन के हर महत्वपूर्ण पहलू–उनके स्वास्थ्य, समग्र कल्याण और आध्यात्मिक आस्था–की आवश्यकताओं को पूरा करना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ब्रह्मानंदम (प्रसिद्ध हास्य अभिनेता, पद्मश्री सम्मानित एवं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक) उपस्थित रहे। इनके साथ जयेश रंजन (विशेष मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार), एस. के. जोशी (पूर्व मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार), महेंद्र रेड्डी (पूर्व पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना) सहित वरिष्ठ नागरिक देखभाल क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अनवाया ने चुनिंदा वीरता पुरस्कार एवं पद्मश्री सम्मान प्राप्तकर्ताओं के लिए आजीवन निःशुल्क इमरजेंसी रिस्पॉन्स सहायता सेवा की घोषणा की। इसके तहत अनवाया का पेटेंटेड इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से विकसित स्मार्टवॉच उनके परिवारों को सम्मान और देखभाल के प्रतीक के रूप में भेंट किए गए। इस अवसर पर परम वीर चक्र, वीर चक्र और सेना मेडल से सम्मानित वीरता पुरस्कार विजेताओं तथा पद्मश्री सम्मान प्राप्तकर्ताओं के परिवार उपस्थित रहे और उन्होंने यह सम्मान स्वीकार किया। अनवाया की पूरी कार्यप्रणाली इस विचार पर आधारित है कि भारत के वरिष्ठ नागरिक अपने ही घर में सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकें।

सदिच्छा भेंट में जनहित के मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मुख्य कार्यालय में शिवसेना के गटनेता एवं वॉर्ड क्रमांक 178 के नगरसेवक अमेय घोले से समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने शिष्टाचार (सदिच्छा) भेंट की। इस अवसर पर मुंबई शहर के विभिन्न जनहित एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक के दौरान समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने नागरिकों की समस्याओं तथा उनके त्वरित समाधान के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए। वहीं, अमेय घोले ने जनहित के कार्यों में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। दोनों के बीच सामाजिक समरसता, विकास कार्यों को गति देने तथा नागरिकों के हित में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई। यह सौजन्य मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और जनसेवा के प्रति साझा संकल्प को और मजबूत करने वाली रही।

जौनपुर में आशिक के साथ मिलकर पति को उतारा मौत के घाट, पत्नी और मामा गिरफ्तार

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के भलुवाही गांव में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव उसके घर के बाहर बने मड़हे में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक की पहचान चंद्रदीप गौतम के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक के परिजनों ने चौंकाने वाला आरोप लगाते हुए बताया कि चंद्रदीप की पत्नी और उसके चचेरे मामा के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों का आरोप है कि अवैध संबंधों में बाधा बनने के कारण दोनों ने मिलकर चंद्रदीप की गला दबाकर हत्या कर दी और घटना को छिपाने के लिए शव को घर के बाहर मड़हे में छोड़ दिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी और उसके चचेरे मामा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है और हत्या के पीछे की वास्तविक वजह जानने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद पूरे भलुवाही गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं और फोरेंसिक जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सावन में शिवमय होगी काशी, आस्था के महासैलाब के स्वागत को तैयार विश्वनाथ धाम

वाराणसी। जब गंगा के घाटों पर 'हर-हर महादेव' का स्वर गूंजेगा, जब कांवड़ियों के कदम काशी की गलियों को शिवमय कर देंगे और विश्वनाथ धाम की ओर बढ़ती अनंत कतारें आस्था का महासागर बन जाएंगी, तब काशी एक बार फिर दुनिया को बताएगी कि सनातन केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवंत अनुभव है। इसी अनुभव को सुरक्षित और सहज बनाने के लिए विश्वनाथ धाम ने अब तक की सबसे व्यापक तैयारी पूरी कर ली है। जी हां, कुछ ही दिनों बाद काशी की सुबहें हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजेंगी। गंगा की लहरों पर तैरती आरती, गलियों में उमड़ती आस्था, कांवड़ियों के कदमों की थाप और बाबा विश्वनाथ के दर्शन की प्रतीक्षा में लगी अनंत कतारें... सावन का वही अलौकिक दृश्य एक बार फिर पूरी भव्यता के साथ लौटने वाला है। धर्म, परंपरा और आधुनिक प्रबंधन के अद्भुत संगम का प्रतीक बन चुका श्री काशी विश्वनाथ धाम इस बार अपने इतिहास के सबसे बड़े श्रद्धालु समागम का साक्षी बनने की ओर बढ़ रहा है। मंदिर प्रशासन ने श्रावण मास में 70 से 80 लाख श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान लगाया है और इसके लिए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, चिकित्सा, पेयजल, तकनीकी निगरानी और दर्शन व्यवस्था का ऐसा खाका तैयार किया गया है, जिसे अब तक की सबसे व्यापक तैयारी माना जा रहा है। सिर्फ श्रद्धालुओं की संख्या ही नहीं, बल्कि उनकी सुविधा भी इस बार पूरी योजना का केंद्र है। पिछले वर्ष श्रावण मास में 63,06,631 श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए थे। इस बार यह आंकड़ा 70 लाख की सीमा पार कर 80 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। मंदिर प्रशासन का पूरा फोकस इस बात पर है कि आस्था की भीड़ व्यवस्था पर भारी न पड़े और हर श्रद्धालु सुरक्षित, सहज और संतोषपूर्ण दर्शन कर सके।

हर सोमवार बढ़ेगा आस्था का ज्वार

श्रावण के चारों सोमवार काशी की पहचान होते हैं। पहले सोमवार भगवान शंकर स्वरूप, दूसरे सोमवार गौरी-शंकर, तीसरे सोमवार अर्धनारीश्वर और चौथे सोमवार रुद्राक्ष श्रृंगार में भक्तों को दर्शन देंगे। पूर्णिमा पर झूला श्रृंगार और रक्षाबंधन पर विशेष दर्शन की व्यवस्था भी रहेगी। इन दिव्य श्रृंगारों को देखने के लिए लाखों श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है।

आस्था की सुरक्षा के लिए तकनीक का अभेद्य कवच

इस बार धाम की सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप दिया गया है। पूरे परिसर और उससे जुड़े मार्गों पर 289 सीसीटीवी कैमरों के साथ 44 अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। गोदौलिया से मैदागिन तक हर गतिविधि मंदिर कंट्रोल रूम और पुलिस कंट्रोल रूम से चौबीसों घंटे निगरानी में रहेगी। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए लगातार ड्यूटी और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था की गई है।

प्राइमस सीनियर लिविंग और एफडीएफसी कैपिटल मिलकर लॉन्च करेंगे 2,000 करोड़ रुपये का सीनियर लिविंग प्लेटफॉर्म

मुंबई। प्राइमस सीनियर लिविंग और एचडीएफसी कैपिटल ने 2,000 करोड़ रुपये का सीनियर लिविंग प्लेटफॉर्म तैयार करने के लिए साझेदारी की है। यह भारत में सीनियर लिविंग सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा संस्थागत निवेश प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म का लक्ष्य भारतीय शहरों में इंस्टीट्यूशनल-ग्रेड सीनियर लिविंग कम्युनिटी के विकास को गति देना और सीनियर लिविंग को मेनस्ट्रीम एसेट क्लास के रूप में स्थापित करने में सहयोग करना है। भारत में 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 34.6 करोड़ के पार पहुंच जाने का अनुमान है। इससे गुणवत्तापूर्ण सीनियर लिविंग सॉल्यूशंस की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दिखने की उम्मीद है। इस बढ़ती जरूरत के बावजूद अभी इस सेक्टर में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य एक ऐसी कम्युनिटी

बनाना है, जो वरिष्ठ नागरिकों में स्वास्थ्य, वेलनेस, सामाजिक जुड़ाव और आजाद जिंदगी को बढ़ावा दे। यह प्लेटफॉर्म छह बड़े भारतीय शहरों में एसेट्स तैयार करेगा। इसमें ऑनरशिप और रेंटल, दोनों फॉर्मेट होंगे। इससे होम ऑनरशिप की प्रतिबद्धता के बिना ही सहूलियत, आजादी और कम्युनिटी लिविंग चाहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी और एक्सेसिबिलिटी मिलेगी। प्राइमस सीनियर लिविंग एंड मर्जी के संस्थापक एवं मैनेजिंग डायरेक्टर आदर्श नरहरि ने कहा, प्राइमस पूरे भारत में सीनियर लिविंग कम्युनिटी विकसित और संचालित कर रहा है। सक्रिय, आजाद और कम्युनिटी-ओरिएंटेड लाइफस्टाइल चाहने वाले वरिष्ठ नागरिकों की तरफ से हमें मजबूत मांग देखने को मिल रही है। एचडीएफसी कैपिटल के पास हाउसिंग, पेशेंट कैपिटल और सेक्टर बिल्डिंग में लॉन्ग टर्म एप्रोच के मामले में विशेषज्ञता है। सीनियर लिविंग को लेकर अवसरों में उनके भरोसे से हमारा यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत में इस कैटेगरी में उल्लेखनीय विकास एवं संस्थागत विस्तार की संभावनाएं हैं। एचडीएफसी कैपिटल के सीईओ विपुल रूंगटा ने कहा, अनुकूल डेमोग्राफिक ट्रेंड के बावजूद सार्थक तरीके से सीनियर लिविंग कम्युनिटी के विकास के मामले में इस सेक्टर को दीर्घकालिक संस्थागत पूंजी की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार एस. बालकृष्णन चेयरपर्सन निर्वाचित

-जगदीश पी. पुरोहित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई प्रेस क्लब के 24 जुलाई को संपन्न हुए चुनावों के परिणाम देर रात घोषित किए गए, जिनमें सेव द प्रेस क्लब एलायंस ने सभी प्रमुख पदों के साथ-साथ पूरी प्रबंध समिति पर कब्जा जमाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। चुनाव परिणामों को क्लब के सदस्यों द्वारा एलायंस के पक्ष में दिए गए स्पष्ट और प्रचंड समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। अध्यक्ष पद के लिए हिंदुस्तान टाइम्स के सुरेंद्र गंगन ने 582 मत हासिल कर एबीपी के राजीव खांडेकर को पराजित किया। चेयरपर्सन पद पर द फ्री प्रेस जर्नल के कार्यकारी संपादक वरिष्ठ पत्रकार एस. बालकृष्णन ने 510 मत प्राप्त कर न्यूज-18 के मयूरेश गणपत्ये को शिकस्त दी। उप-चेयरपर्सन पद पर

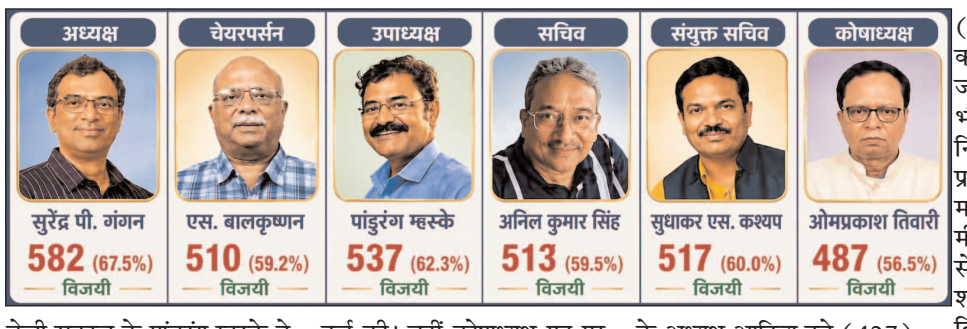

डेली सकाल के पांडुरंग म्हस्के ने 537 मतों के साथ मिड-डे के आशीष राजे को हराया।

सचिव पद पर स्वतंत्र पत्रकार अनिल सिंह ने 513 मत प्राप्त कर महाराष्ट्र टाइम्स के सौरभ शर्मा को पराजित किया। संयुक्त सचिव पद के लिए लोकशाही मराठी टीवी के सुधाकर कश्यप ने 517 मतों के साथ टाइम्स नाउ डिजिटल की ऋचा खानोलकर को हराकर जीत दर्ज की। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी ने 487 मत हासिल कर पीटीआई के शशांक पराड़े को पराजित किया।

नई प्रबंध समिति में वैभव परब (530), स्वप्निल शिंदे (502), पूनम अपराज (494), मनीषा रेगे (491), अनिता शुक्ला (474), शाहिद अंसारी (449), मुंबई हिन्दी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे (427), मधु नैनन (396), के. जे. बेन्नीचन (387) तथा उमेश गोस्वामी (380) निर्वाचित हुए।

पांच वरिष्ठ पत्रकारों की सदस्यीय स्क्रूटनी समिति के लिए प्रसाद काथे (जय महाराष्ट्र), विजय सिंह (दैनिक भास्कर), निलेश दवे (मुंबई समाचार), आलोक देशपांडे (इंडियन एक्सप्रेस) और दीपाली कदम (सकाळ) को चुना गया। नई कार्यकारिणी मुंबई की पत्रकारिता जगत की बहुभाषी पहचान को भी प्रतिबिंबित करती है। निर्वाचित सदस्यों में आठ प्रतिनिधि अंग्रेजी मीडिया से, छह मराठी मीडिया से, पांच हिंदी मीडिया से, एक गुजराती मीडिया से तथा एक फोटो पत्रकार शामिल हैं। इससे क्लब में विभिन्न मीडिया क्षेत्रों की संतुलित और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हुई है। सेव द प्रेस क्लब एलायंस की इस प्रचंड सफलता को संस्था को अधिक सशक्त बनाने तथा प्रिंट, टेलीविजन, डिजिटल और फोटो पत्रकारों के हितों की रक्षा एवं उनके कल्याण के लिए किए गए वादों पर सदस्यों द्वारा जताए गए भरोसे और समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।